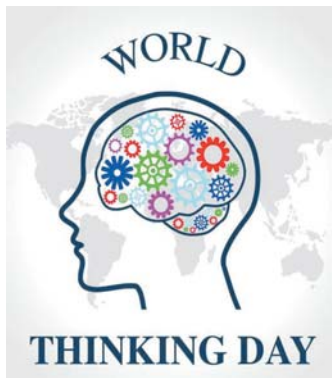

दैनिक **सांध्य प्रकाश**

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 203/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 22 फरवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

चैंपियंस ट्रॉफी- ऑस्ट्रेलिया Vs इंग्लैंड मैच:फिल सॉल्ट 10 रन बनाकर आउट

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का चौथा मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जा रहा है।

ग्रुप-बी के दूसरे मुकाबले का टॉस ऑस्ट्रेलिया ने जीता है और गेंदबाजी करने का फैसला लिया है। इंग्लैंड ने 3 ओवर में एक विकेट पर 20 रन बना लिए हैं। बेन डकेट और जैमी स्मिथ क्रीज पर हैं। फिल सॉल्ट 10 रन बनाकर आउट हुए।

सांध्यप्रकाश विशेष

पीएम मोदी ने की फिल्म छावा की तारीफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अभिनेता विक्की कौशल की नवीनतम फिल्म छावा की जमकर तारीफ की है, जिसमें छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन को दर्शाया गया है। फिल्म की लोकप्रियता और इसके सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए पीएम मोदी ने इसे भारतीय सिनेमा के लिए गर्व का विषय बताया।

14 फरवरी को रिलीज हुई फिल्म छावा को लेकर हाल ही में एक कार्यक्रम में बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ये महाराष्ट्र और मुंबई ही हैं, जिन्होंने मराठी फिल्मों के साथ-साथ हिंदी सिनेमा को यह ऊंचाई दी है। और इन दिनों तो छावा की धूम मची हुई है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म ऐतिहासिक गौरव को दर्शकों तक पहुंचाने में सफल रही है। पीएम मोदी ने छत्रपति संभाजी महाराज के शौर्य को याद करते हुए कहा, शिवाजी सावंत के मराठी उपन्यास ने ही संभाजी महाराज के पराक्रम को इस रूप में हमारे सामने लाया है।उन्होंने फिल्म के जरिए इतिहास और संस्कृति को जीवंत करने के प्रयास की सराहना की। छावा मराठी और हिंदी सिनेमा के संगम का एक शानदार उदाहरण बनकर उभरी है। यह संस्करण संक्षिप्त, स्पष्ट और स्वाभाविक हिंदी में लिखा गया है, जिसमें मूल भावनाएं और तथ्य बरकरार रखे गए हैं।

मॉरीशस के राष्ट्रीय दिवस पर चीफ गेस्ट होंगे पीएम मोदी

मॉरीशस। प्रधानमंत्री नवीनचन्द्र रामगुलाम ने शुक्रवार को इस बात की घोषणा की है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल होंगे।

पीएम मोदी 11-12 मार्च को पोर्ट लुईस का दौरा करने वाले हैं। उन्होंने संसद में इसका ऐलान किया। पूरे सदन ने तालियों की गड़गड़ाहट से इस फैसले का स्वागत किया। नवीनचन्द्र रामगुलाम ने संसद में इस बारे में कहा कि मोदी के लिए ऐसे कार्यक्रम में भाग लेना विशेष सम्मान की बात है, खासकर जब उनका शेड्यूल काफी व्यस्त है। हाल ही में वह पेरिस और अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में शामिल हुए थे। रामगुलाम ने कहा,मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरे निमंत्रण पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारे राष्ट्रीय दिवस समारोह के लिए अतिथि विशेष बनने के लिए सहमति दी है।

एलओसी पर चार साल बाद भारत-पाकिस्तान के बीच फ्लैग मीटिंग हुई

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बढ़ते तनाव के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच पुंछ सेक्टर में फ्लैग मीटिंग हुई।

यह बैठक पिछले चार वर्षों में पहली बार आयोजित की गई है, इससे पहले 2021 में आखिरी फ्लैग मीटिंग हुई थी। हाल के हफ्तों में जम्मू-कश्मीर में एलओसी पर लगातार तनाव बना हुआ है, जिसके मद्देनजर यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हाल ही में एलओसी पर हुई कई बार की गोलीबारी और आईईडी हमलों के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को फ्लैग मीटिंग आयोजित की गई। हालांकि, बैठक में शामिल अधिकारियों और चर्चा के बिंदुओं को लेकर विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। लेकिन यह स्पष्ट है कि भारत ने इस बैठक में आतंकवादी हमलों को लेकर पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक फ्लैग मीटिंग आयोजित की गई।

24 तारीख को किसानों के खाते में आ जाएगी 19वीं किस्त

नई दिल्ली। आप अगर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जुड़े हैं तो योजना के तहत आपको हर साल 6 हजार रुपये दिए जाते हैं और ये पैसे 2-2 हजार रुपये की तीन किस्तों में सीधे आपके बैंक खाते में आते हैं। हर किस्त का लाभ लगभग करोड़ों किसान ले चुके हैं और लेते रहते हैं। इसी क्रम में इस बार 19वीं किस्त जारी होनी है जिसका इंतजार 24 फरवरी को खत्म हो जाएगा क्योंकि इस दिन योजना से जुड़े किसानों के बैंक खाते में 19वीं किस्त भेजी जाएगी। इससे पहल बीती 5 अक्तूबर को 18वीं किस्त जारी हुई थी जिसका लाभ करोड़ों किसानों को मिला था। तो अगर आप भी 19वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं तो आप यहां जान 24 फरवरी को जारी होने वाली 19वीं किस्त के बारे में जान सकते हैं।

पीएम मोदी का झीलों की नगरी भोपाल में पहली बार रात्रि विश्राम, 23 फरवरी को मंत्रियों-विधायकों से करेंगे सीधी चर्चा

मोदी के स्वागत में भोपाल ने बिछाए पलक पांवड़े

भोपाल। पीएम नरेंद्र मोदी इन्वेस्टमेंट के एमपी-कुंभ में शामिल होने आ रहे है। राजधानी भोपाल सज गई है, मानव संग्रहालय इन्वेस्टर्स के स्वागत के लिए पलक पांवड़े बिछाए हुए हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हर राज्य में होती है लेकिन जिस राज्य में इसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी करते हैं, उस राज्य की जीआईएस की सफलता की गारंटी होती है। जिस जिस जीआईएस में पीएम मोदी हो उसमें देश का कौन सा इन्वेस्टर नहीं पहुंचना चाहेगा? सीएम डॉक्टर मोहन यादव को इन्वेस्टर्स समिट के लिए पीएम का समय मिल जाना ही, उनकी बड़ी सफलता मानी जाएगी। एमपी में पहले भी जीआईएस होती रही है। एक दो में पीएम भी शामिल हुए हैं लेकिन कई समिट में पीएम का आना नही हुआ। एमपी में इन्वेस्टमेंट के लिए रीजनल समिट करने के बाद देश के कई हिस्सों में सीएम मोहन यादव ने रोड शो एवं इन्वेस्टर्स से चर्चा की। विदेश यात्राएं भी की। उनकी सारी तैयारी और भूमिका का अंतिम लक्ष्य ग्लोवल इन्वेस्टर्स समिट में पूरा हो सकता है. राजनीतिक रूप से तो पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आगमन के साथ ही मुख्यमंत्री का अपना पॉलिटिकल टारगेट सफल हो गया है।

सांसद विधायकों के साथ भोजन

पीएम नरेंद्र मोदी बीजेपी के विधायकों और सांसदों के साथ सीधा संवाद करने वाले हैं। पीएम का संवाद कई मायने रखता है। पीएम की कार्यशैली ऐसी है कि उनके हर कदम के मायने परिणाम के बाद ही स्पष्ट होते हैं। उनकी वर्किंग और शैली को समझने में पॉलिटिकल पंडित भी चूक जाते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है कि एमपी में इन्वेस्टमेंट की अनंत संभावनाएं हैं। यह संभावनाएं ही बताती है कि अभी तक इनका दोहन नहीं किया गया है।

राज्यपाल निवास में रात्रि विश्राम करेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 फरवरी को बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद शाम को भोपाल पहुंचेंगे। यह पहली बार होगा जब प्रधानमंत्री मोदी भोपाल में रात बिताएंगे। वे राज्यपाल निवास में रात्रि विश्राम करेंगे। उनके इस प्रवास को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 फरवरी को दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (जीआईएस) का राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में शुभारंभ करेंगे।

परीक्षार्थियों को उपलब्ध होगा वैकल्पिक मार्ग

व्हीव्हीआईपी मार्ग तथा कार्यक्रम स्थल के आस-पास श्यामला हिल्स क्षेत्र, प्रोफेसर कॉलोनी, शिवाजी नगर आदि क्षेत्र में स्थित किसी भी विद्यालय रीजनल कालेज, बाल भवन स्कूल, सेंट जोसेफ कोएड, आनंद विहार स्कूल, कमला नेहरू स्कूल में यदि परीक्षा आयोजित होगी तो इन स्कूलों में विद्यार्थियों को जाने के लिये व्हीव्हीआईपी मार्ग पर भी रास्ता उपलब्ध कराया जायेगा।

भोपाल में SPG ने संभाला सुरक्षा का जिम्मा, 25 IPS समेत 5500 जवान रहेंगे तैनात

इस दौरान सभी VVIP की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इनके लिए थ्री लेयर सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जिसमें 25 आईपीएस समेत करीब साढ़े पांच हजार पुलिस जवान तैनात रहेंगे। पहली लेयर में एसपीजी कमांडो, दूसरी लेयर में आईपीएस और तीसरी लेयर में सुरक्षा में तैनात पुलिस जवान मौजूद रहेंगे। इसकी निगरानी एडीजी स्तर के अधिकारी करेंगे।

समिट के दौरान बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

प्रधानमंत्री प्रातः10:00 बजे से 11:15 बजे तक इंदिरा गॉंधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय जीआईएस समिट में रहेंगे उनकी सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए राजभवन, पुराना मछलीघर, केएन प्रधान तिराहा से प्रोफेसर कॉलोनी, पॉलीटेक्निक चैराहा, किलोल पार्क, भारत भवन, बोट क्लब आदि क्षेत्र का सामान्य यातायात प्रभावित होगा। उक्त दिनांक को प्रातः से ही म.प्र. माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षाएं भी विभिन्न स्कूलों में आयोजित की जा रही है उक्त परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस द्वारा सलाह दी जाती है कि विद्यार्थियों को उक्त मार्ग से आवागमन करना है तो वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। पुराने भोपाल से नये भोपाल आने-जाने के लिये पॉलिटेक्निक चैराहा के स्थान पर वैकल्पिक मार्ग के रूप में रेतघाट, मोती मस्जिद, बुधवारा, तलैया,लाल परेड ग्राउण्ड, कन्ट्रोल रूम, रोशनपुरा मार्ग उपयोग किया जाए। इसी प्रकार उक्त समय में नए शहर से पुराने शहर में जाने के लिए वैकल्पिक मार्ग का उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा भी प्रतिबंधित मार्गो पर स्कूल वाहनों तथा विद्यार्थियों के आने पर पालीटेक्निक चैराहा से के.एन. प्रधान, पुराना मछली घर होकर व्ही.व्ही.आई.पी. आगमन के समय के पूर्व उनके वाहनों को आने जाने के लिए रास्ता दिया जायेगा। किसी भी परिस्थिति में विद्यार्थियों के वाहनों को अनावष्यक नहीं रोका जायेगा।

सीएम ने आज लिया जीआईएस तैयारियों का जायजा

मानव संग्रहालय, कुशाभाऊ कन्वेंशन सेंटर और सदर मंजिल में जाकर देखी व्यवस्था

भोपाल। सोमवार से शुरू होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों को अंतिम रूप देने के पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव आज समिट स्थल और अन्य उद्योगपतियों, निवेशकों के रुकने वाले स्थानों का दौरा किया। मुख्य सचिव अनुराग जैन की मौजूदगी में मुख्यमंत्री यादव यहां की सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। पीएम नरेंद्र मोदी के समिट के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के चलते यहां सुरक्षा प्रबंधों पर भी खास फोकस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ यादव सबसे पहले कुशाभाऊ ठाकरे सभागार पहुंचे। यहां पीएम नरेंद्र मोदी कल शाम बीजेपी सांसदों, विधायकों और अन्य पदाधिकारियों के साथ संवाद करने वाले हैं। इसके बाद सीएम तैयारियों का निरीक्षण करने मानव संग्रहालय गये। यहां GIS के लिए बनाए गए पवेलियन, मुख्य सभागार, विभागीय सेक्टर सम्मेलन स्थल समेत अन्य कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए।

एडीपीओ के प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचे सीएम

ज्युडिशियरी के फैसलों को लागू करने में सरकार पीछे नहीं: सीएम यादव

भोपाल। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारियों के आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधिपति जेके माहेश्वरी ने कहा है कि न्याय एक दर्शन है, एक संकल्प है जो केवल कानून की किताबों में नहीं हमारी आत्मा में बसना चाहिए। इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि सरकार और ज्युडिशियरी के साहस से इस समय न्यायपूर्ण फैसले लेने और उसे लागू करने का काम किया जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जस्टिस माहेश्वरी ने कहा कि यहां प्रशिक्षण लेने के लिए आए नव नियुक्त अधिकारी न्याय के लिए ट्रेनिंग का उपयोग किस तरह से करेंगे जिससे मुख्यमंत्री और चीफ जस्टिस यशस्वी हों। विक्रमादित्य का नाम न्याय प्रशासन के लिए प्रसिद्ध है और हमें न्याय के लिए काम करना होगा। भोपाल में आयोजित नवनियुक्त सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारियों का आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में जस्टिस माहेश्वरी ने ये बातें कहीं।

जस्टिस माहेश्वरी ने सरकार को आईना दिखाते हुए कहा कि सिंगरौली में 6978 केस पर एक पब्लिक प्रोसिक्यूटर है। रीवा में 5186 और राजगढ़ में भी यही स्थिति है। यहां भी एक पब्लिक प्रोसिक्यूटर है। यह मिस्टेक आफ फैक्ट्स है। जिसे ठीक करना एसीएस जेएन कंसोटिया और सरकार की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि लोक अभियोजन अधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह धर्म की रक्षा के लिए काम करे और जरूरतमंद को न्याय दिलाए। धर्मो रक्षति रक्षत- की नीति पर काम करके न्याय दिला सकते हैं। आपसी तालमेल और लीगल इश्यू में कहीं न कहीं कमी है। जस्टिस माहेश्वरी ने आगर मालवा में जजों और लोक अभियोजन अधिकारियों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि लीगल नालेज और प्रेक्टिकल स्किल भी लोक अभियोजना अधिकारियों में होना चाहिए। 2011 में कम्प्यूटर मिल गए थे। ई कोर्ट की बात होती है, लैपटॉप सबके पास है।

ज्युडिशियरी का तालमेल नरेंद्र मोदी के शासन में साफ दिखाई दे रहा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सरकार और ज्युडिशियरी का तालमेल पीएम नरेंद्र मोदी के शासन में साफ दिखाई दे रहा है। राम मंदिर के फैसले को लागू करने का मामला हो या कोर्ट के कोई अन्य फैसले लागू कराने का काम हो, सरकार न्यायालय के आदेश पर अमल करती रही है। मोदी शासन के पहले ऐसी स्थिति कई बार नहीं बनती थी। सीएम ने फिल्म शोले का उदाहरण देते हुए कहा कि शोले पिक्चर में शोले कहां है? यह समझने की बात है। फिल्म में ठाकुर के सीने में जो शोला है, वास्तव में ही वही शोला है। इसके बाद ठाकुर ने गब्बर के खात्मे के लिए काम शुरू किया।

बैंक मैनेजर ने 25 हजार में ठगों को बेच दिया बिजनेसमैन का खाता

गुरुग्राम। बिजनेसमैन से स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर करीब पांच करोड़ रुपये ठग लिए गए। मामला साइबर क्राइम ईस्ट थाना पुलिस के पास पहुंचा। जांच शुरू हुई तो पता चला कि जालसाजों का मददगार एक बैंक अधिकारी बना हुआ था। पुलिस ने अब केस में इंडसइंड बैंक के बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर सहित दो लोगों को अरेस्ट किया है। बैंक अधिकारी पर साइबर ठगों को बैंक खाता उपलब्ध कराने में शामिल होने का आरोप है।

शिवराज सिंह चौहान को प्लेन में मिली टूटी हुई सीट, एयर इंडिया ने मांगी माफी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एयर इंडिया की सेवाओं को लेकर नाराजगी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि उन्हें भोपाल से दिल्ली जाना था जहां से उन्हें पूसा में किसान मेले का उद्घाटन, कुरुक्षेत्र में प्राकृतिक खेती मिशन की बैठक और चंडीगढ़ में किसान संगठन के प्रतिनिधियों से चर्चा करनी थी। इसके लिए उन्होंन एयर इंडिया की फ्लाइट एआई436 में सीट बुक करवाई थी जिसमें उन्हें सीट नंबर 8 आवंटित हुई थी। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि जब वे अपनी सीट पर पहुंचे तो वह टूटी हुई थी और अंदर धंसी हुई थी जिससे बैठना काफी तकलीफदायक हो गया। जब उन्होंने इस बारे में विमानकर्मियों से शिकायत की तो उन्हें बताया गया कि पहले से ही मैनेजमेंट को इस सीट की खराबी के बारे में सूचित किया जा चुका था और इसे टिकट बुकिंग के लिए नहीं खोलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि ऐसी एक नहीं बल्कि कई और सीटें भी खराब स्थिति में थीं। इस दौरान सहयात्रियों ने उनसे अनुरोध किया कि वे अपनी सीट बदलकर किसी और अच्छी सीट पर बैठ जाएं, लेकिन उन्होंने किसी दूसरे यात्री को असुविधा में डालना सही नहीं समझा और टूटी हुई सीट पर ही यात्रा पूरी करने का फैसला लिया।

दिल्ली में अब मोहल्ला क्लीनिक होंगे आयुष्मान आरोग्य मंदिर

नई दिल्ली। दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिक बंद नहीं होंगे, बल्कि नाम बदलने और सुविधाओं में इजाफे के साथ इनकी संख्या दोगुनी होने जा रही है। दिल्ली सरकार ने आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी देने के बाद मोहल्ला क्लीनिक का नाम आयुष्मान आरोग्य मंदिर करने का फैसला किया है। इस फैसले के तहत दिल्ली में मौजूदा 553 मोहल्ला क्लीनिक को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में बदला जाएगा। इसके अलावा करीब इतने नए भी बनाए जाएंगे। चुनाव के दौरान मोहल्ला क्लीनिक भी एक बड़ा मुद्दा बन गया था। आम आदमी पार्टी और इसके मुखिया की ओर से लगातार दावा किया जा रहा था कि भाजपा की सरकार बनने पर इन्हें बंद कर दिया जाएगा। सरकार के मुताबिक आयुष्मान भारत योजना के तहत दिल्ली में कुल 1139 शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर की सुविधा उपलब्ध कराई जानी है। इसमें मौजूदा 553 मोहल्ला क्लीनिक को अपग्रेड किया जाएगा, जबकि शेष नए आयोग्य मंदिर बनाए जाएंगे। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि मोहल्ला क्लीनिक का नाम बदलने के साथ वहां कई सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। सभी 11 जिलाधिकारियों से कहा गया है कि वह अपने-अपने जिले में कम से कम एक-एक नया आरोग्य मंदिर बनाएंगे।

गेहूं पकने को तैयार, सैटेलाइट से की जा रही खेतों की मॉनिटरिंग

पराली जलाई तो लगेगा तगड़ा जुर्माना

सीहोर एजेंसी। गेहूं पकने को तैयार हो गए है। गेहूं कटाई के बाद बची हुई नरवाई किसानों के गले की फांस बन सकती है। न तो इसे रखा जा सकता है और न ही जलाया जा सकता है। जिन खेतों में नरवाई जलाई जाएगी या शार्ट-सर्किट की वजह से जल जाएगी, उन खेत के मालिकों को अब सीधे तौर पर जुर्माने का भागीदार बनना पड़ेगा। असल में सैटेलाइट के माध्यम से हर खेत पर सीहोर से निगरानी की जा रही है। यह पहला अवसर है जब नरवाई जलाने के मामले में प्रशासन सख्त नजर आ रहा है।

गौरतलब है कि नरवाई जलाने को लेकर सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है। बावजूद इसके नरवाई बड़े स्तर पर हर साल जला दी जाती है, जिससे प्रदूषण फैलता है और जमीन की उपजाऊ क्षमता भी प्रभावित होती है। पर्यावरण सुरक्षा को देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल के निर्देशों के अंतर्गत प्रदेश में फसलों विशेषत- धान एवं गेहूं की फसल कटाई उपरांत फसल अवशेषों (नरवाई) को खेतों में जलाये जाने को प्रतिबंधित किया गया है। इस संबंध में जारी निर्देशों के उल्लंघन किये जाने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कही कि पर्यावरण विभाग द्वारा नरवाई में आग लगाने के विरूद्ध पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि दण्ड का प्रावधान निर्धारित किया गया है। नरवाई जलाने पर किसानों से अलग-अलग तरह से अर्थदंड वसूला जाएगा। इसके तहत दो एकड़ तक खेत में नरवाई जलाने पर 2500 रुपये, दो से पांच एक? खेत में नरवाई जलाने पर पांच हजार रुपये तथा पांच एकड़ से अधिक खेत की नरवाई जलाने पर 15 हजार रुपये का जुर्माना देना होगा। दंड वसूलने के लिए संबंधित व्यक्ति, निकाय, कृषक जिनके द्वारा नरवाई जलाकर पर्यावरण को क्षति पहुंचाई गई है उनको उप संचालक कृषि सूचना-पत्र जारी करेंगे। सूचना-पत्र को तामिल कराने की जिम्मेदारी संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी की होगी।

संबंधित क्षेत्र के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी इसका पर्यवेक्षण करेंगे एवं तामिल किए गए सूचना पत्रों की सूची अनुविभागीय कृषि अधिकारी उप संचालक कृषि को प्रस्तुत करेंगे। कृषि विस्तार अधिकारी, संबंधित ग्राम के हल्का पटवारी एवं पंचायत सचिव के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेंगे। आवश्यकता पडने् पर संबंधित थाने से पुलिस बल भी साथ में लिया जा सकता है।

नागरिकों के सुविधा हेतु आधुनिक प्रतीक्षालय का शुभारंभ

भोपाल। सिटी लिंक लिमिटेड नगर पालिक निगम द्वारा शंकरदयाल शर्मा चौराहा रेतघाट पर नागरिकों के सुविधा हेतु आधुनिक प्रतीक्षालय का शुभारंभ महापौर मालती राय,बी.सी.एल.एल डायरेक्टर मनोज राठौर द्वारा किया गया। इस अवसर पर एम.ई.सी सदस्य आर के सिंह बघेल, राजेश हिंगोरानी,श्री जगदीश यादव, जोन अध्यक्ष विनीता विकास सोनी, पूजा शर्मा, मंडल अध्यक्ष आशीष सिंह ठाकुर, अधिकारीगण एवं नागरिक उपस्थित रहे।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में डीजी-एनसीसी द्वारा ड्रोन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित

भोपाल। डीजी एनसीसी का 11 दिवसीय ड्रोन ट्रेनर कोर्स एलएनसीटी विश्वविद्यालय भोपाल में आयोजित किया गया। डीजी एनसीसी मुख्यालय द्वारा आयोजित पहला ड्रोन ट्रेनर कोर्स 10 से 21 फरवरी 25 तक एलएनसीटी विश्वविद्यालय, 2 एमपी एयर स्क्वाड्रन, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय भोपाल और एनसीसी निदेशालय एमपी और सीजी के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस कोर्स में सभी 17 एनसीसी निदेशालयों से सेना, नौसेना और वायु सेना के 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया और इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इस कोर्स में प्रतिभागियों को ड्रोन बनाना और उड़ाना सिखाया गया। सभी प्रतिभागियों ने लिखित परीक्षा दी और उड़ान का प्रदर्शन किया। ये सभी प्रतिभागी वापस जाकर अपने-अपने निदेशालयों में कैडेटों को प्रशिक्षण देंगे।

सिंधु नव जागरण समिति में राम पारदासानी अध्यक्ष, नरेश चोटरानी महासचिव नियुक्त

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम नगर की प्रमुख सामाजिक संस्था सिंधु नव जागरण समिति के पदाधिकारियों की बैठक समिति अध्यक्ष राम पारदासानी की अध्यक्षता में स्वामी शांतिप्रकाश धर्मशाला में सम्पन्न हुई। जिसमें पदाधिकारियों का कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात् नये पदाधिकारियों के चयन पर विचार किया गया। जिसमें समिति के चुनाव का कार्यकाल दो वर्ष का होता है पदाधिकारियों का चयन समिति के संरक्षक द्वारा किया जाता है। समिति संरक्षक आसनदास वाधवानी व माधु चांदवानी समस्त पदाधिकारियों से चर्चा कर एक वर्ष का कार्यकाल बढाया गया। जिसमें राम पारदासानी अध्यक्ष, नरेश चोटरानी महासचिव, मुख्य सलाहाकार घनश्याम लालवानी, उपाध्यक्ष महेश खटवानी, मुरली गुरबानी, हरीश वलेचा, कोषाध्यक्ष हीरो आडवाणी, सचिव दिलीप दीनानी, सहसचिव मनोहर सतानी, सामाजिक सचिव राम लेखवानी, सह कोषाध्यक्ष इन्द्र जनयानी, आडिटर अनिल टेकचंदानी, प्रवक्ता महेश दादलानी, सलाहाकार कमलेश छुगानी व कन्हैयालाल नागदेव को बनाया गया। समिति के संरक्षक माधू चांदवानी ने बताया कि समिति द्वारा समाज क्षेत्र व धार्मिक क्षेत्र में सेवा कार्य करती है। समिति द्वारा सिंधी समाज का पावन पर्व चौतीचांद विगत 35 वर्षो से धूमधाम से मनाती आ रही है। इस वर्ष भी 1 अप्रैल को भव्य सांस्कृतिक संध्या व सिंधी मेले का आयोजन किया गया है।

निगम ने की 2 बकायादारों की संपत्तियां कुर्क

भोपाल। नगर निगम द्वारा संपत्तिकर, जल उपभोक्ता प्रभार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभार सहित राजस्व की अन्य मदों में करों/शुल्कों की वसूली हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है साथ ही करों का भुगतान न करने वालों के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही भी की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के जोन क्रमांक 08 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 28 के सुदामा नगर एवं निवेश नगर में बकायादारों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 02 बकायादारों की संपत्तियां कुर्क की। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन द्वारा प्रभावी वसूली एवं बकायादारों के विरूद्ध सख्ती से कार्यवाही करने के निर्देशों के परिपालन में निगम के जोन क्रमांक 08 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 28 के अमले ने सुदामा नगर में भवन क्रमांक 204 पर संपत्तिकर/जल उपभोक्ता प्रभार एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभार की बकाया राशि 76,708 रूपये का भुगतान भवन स्वामी श्रीमती लीलाबाई द्वारा न किये जाने पर उक्त संपत्ति कुर्क करने की कार्यवाही की गई साथ निगम अमले ने वार्ड क्रमांक 28 में ही निवेश नगर में भवन क्रमांक 15 पर संपत्तिकर/जल उपभोक्ता प्रभार/ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभार की बकाया राशि 39,373/-रूपये का भुगतान भवन स्वामी बी.पी.छापरे द्वारा न किये जाने पर उक्त संपत्ति कुर्क की।

साकार हुआ संस्कृति का सौंदर्य, कथा-कहानियों और परंपराओं का जगमगाया संसार

51वें खजुराहो नृत्य समारोह का दूसरा दिन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग के लिए उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन छतरपुर के सहयोग से आयोजित 51वाँ खजुराहो नृत्य समारोह की दूसरी शाम देश के सुप्रसिद्ध नृत्य कलाकारों ने कंदरिया महादेव मंदिर की आभा में बने मंच पर संस्कृति के अनूठे रंग दमक उठे। सांझ की धुंधलाती रोशनी में नृत्य का संसार जगमगा उठा और रात होते-होते परवान चढ़ा।

भारतीय कला-संस्कृति का प्रतीक बन चुके खजुराहो के इस मंच पर दूसरी शाम तीन नृत्य प्रस्तुतियां सुधिजनों के सामने आईं। इसमें पहली प्रस्तुति थी सुप्रसिद्ध मणिपुरी नृत्यांगना और पद्मश्री सुश्री दर्शना झावेरी एवं उनके शिष्यों की। एक ऐसी नृत्यांगना जिसने नृत्य को न सिर्फ किया, बल्कि उसे आत्मसात भी किया। अपनी गुरु परम्परा को नृत्य के आकाश में बुलंदियों तक लेकर आईं। गुरु बिपिन सिंह के मणिपुरी घराने की आला दर्जे की नृत्यांगना ने अपनी प्रस्तुति का आरम्भ पारंपरिक रूप से ईश्वर की वंदना से किया। मंगलाचरण में उन्होंने भगवान श्री कृष्ण और राधा को नमन किया। इसके बाद बसंत रास का प्रमुख उत्सव होली मंच पर साकार हुआ। जिसके केंद्र में थे कृष्ण, राधा और गोपियां। होलिका क्रीडम प्रस्तुति ने सुधिजनों को ब्रज की होली सदृश्य दिखाई। होली के रंगों के बाद मनभजन प्रस्तुति दी, जो जयदेव रचित गीत गोविंदम पर आधारित थी। इसमें भगवान श्री कृष्ण और राधा की मधुमयी नोंक-झोंक को दर्शाया। इसके बाद प्रबंद नर्तम, सप्ता, नायिकाभेदा, मांडिला नर्तन और अंत में मृदंग वादन की प्रस्तुति से विराम दिया। मणिपुरी के बाद अवसर था भरतनाट्यम नृत्य को देखने का और मंच पर नमूदार हुईं युवा नृत्यांगना सुश्री श्रेयसी गोपीनाथ, दिल्ली। उनकी प्रस्तुति थी द व्हील ऑफ चॉइसेस, जिसे श्रेयसी गोपीनाथ डांस अकादमी के कलाकारों ने प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने मानव स्वभाव की जटिलताओं को प्रदर्शित किया। जहाँ चरित्र न केवल अपने कार्यों से बल्कि दूसरों के कर्मों से भी लगातार संचालित होते हैं। चक्र के मूल में महाभारत का काला नायक कर्ण है। व्यापक कथा के केंद्र में, उसकी पहचान और यकीनन दुखद नियति उसे एक आकर्षक और रहस्यमय व्यक्ति बनाती है। अपने महान गुणों के बावजूद, कर्ण की यात्रा आंतरिक संघर्षों, नैतिक दुविधाओं, विकल्पों और भाग्य के अथक हाथ से चिह्नित है। अंतिम प्रस्तुति छाऊ की रही। जिसे प्रस्तुत किया पद्मश्री शशधर आचार्य एवं साथी, झारखंड ने। उनकी प्रस्तुति का नाम महानायक गरुड़ था। इस नृत्यनाटिका में उन्होंने नृत्य के माध्यम से बड़े प्रभावी ढंग से दिखाया कि भारतीय आध्यात्मिक वांग्मय में संघर्ष की पराकाष्ठा से प्रकाशित गरुड़ एक महानायक के रूप में प्रतिबिंबित होता है, जो अपने अदम्य शौर्य से गरुड़ भास्कर, गरुड़ वासुकी, गरुड़ वाहन, नरकासुर वध जैसे चरित्रों का अनुपालन करता है और धर्म ग्रंथो में अपनी पूज्य स्थिति को प्राप्त करता है। धर्म ग्रंथो में विदित कथाओ के अनुसार गरुड़ का जन्म समय से पूर्व ही हो गया।

वैष्णो देवी की निःशुल्क यात्रा 24 फरवरी को

भोपाल। श्री माता वैष्णो देवी भक्त सेवा समिति के तत्वाधान में आर्थिक रुप से कमजोर वर्गों जो अपने स्वयं के व्यय से यात्रा नहीं कर सकता उम्र 40 वर्ष से अधिक और जिसने कभी भी वैष्णो देवी माता के दर्शन नहीं किए हो 13वीं निशुल्क यात्रा 24 फरवरी को मालवा से रवाना। व्यवस्थापक प्रमुख सेवादार, भजन गायक, फोटो वीडियो - ढोल ग्रुप के साथ निःशुल्क चयनित माता के भक्त एवं आमंत्रित मित्रों सहित 178 लोग माता दर्शन यात्रा में शामिल होंगे। 24 फरवरी सोमवार को सुबह 8 बजे से यात्रियों को आना है। 9 बजे से यात्रियों को 1 नंबर ग्रुप से 11 नंबर ग्रुप में पंक्तिबद्ध सेवादारों के साथ पंक्तिबद्ध समन्वयक प्रमुख स्वाती शिवदे एवं सेवादारों के द्वारा परिचय पत्र के अनुसार चेक कर बैठाना। 9.30 से दोपहर 12.30 बजे आमंत्रित प्रसिद्ध भजन गायकों के द्वारा माता के भजनों की प्रस्तुति।

जीआईएस में दिखेगी मप्र की सांस्कृतिक विरासत की झलक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में निवेशकों, उद्योगपतियों और अतिथियों को प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत और समृद्ध संस्कृति का अनुभव कराने के लिए विशेष रूप से संयोजित %अमृतस्य मध्यप्रदेश% नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत विविधता और पर्यटन स्थलो की खूबसूरती को प्रसिध्द कोरियोग्राफर मैत्री पहाड़ी के निर्देशन में 100 से अधिक कलाकार अनूठे रूप में दर्शित करेगें। इसके साथ ही आयोजन स्थल इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में प्रदेश के पारंपरिक और स्थानीय लोकनृत्य, मटकी नृत्य, करमा जनजातीय नृत्य आदि की प्रस्तुति एक विशेष आकर्षण होगी।

जीआईएस के दौरान अतिथियों को मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन स्थलों की संगीतमयी अनुभूति करायी जाएगी। उनके मध्यप्रदेश आने के अनुभव को अविस्मरणीय बनाने के लिए कई मनमोहक कार्यक्रम अनूठे अंदाज में प्रस्तुत किए जाएगें। यह प्रयास प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने और निवेशकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आयोजन में 23 फरवरी को ताज लेक फ्रंट होटल में शाम 6:30 बजे से बांसुरी, सरोद, सारंगी और जुगलबंदी जैसी संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। समिट के पहले दिन 24 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में सुबह 8 बजे से स्थानीय संस्कृति को प्रदर्शित करते लोक कला दलों की प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

इसी दिन ओडीओपी मंच और मध्यप्रदेश पेवेलियन में प्रदेश की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिलेगी, जिसमें गोंड और भील जनजातियों की लोक संस्कृति एवं बुंदेलखंड व चंबल अंचल की विरासत का प्रदर्शन भी किया जाएगा। शाम को गाला डिनर के दौरान लोकाँचल नृत्य बधाई, मटकी, जनजातीय नृत्य करमा के साथ विशेष अमृत्य मध्यप्रदेश नृत्य नाटिका का प्रदर्शन किया जाएगा। आयोजन स्थल पर विभिन्न मंचों पर लोकगीत, जनजातीय संगीत और पारंपरिक लोक नृत्य का मंचन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये अतिथि निवेशकों को प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत परंपरा और उससे हमारा जुड़ाव को नजदीक से अनूठे अंदाज में देखने को मिलेगा।

निरंकारी मिशन के प्रोजेक्ट अमृत का तृतीय चरण का शुभारंभ कल होगा

संत निरंकारी मिशन करेगा तालाब किनारे की साफ-सफाई

संत हिरदाराम नगर। संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने हेतु 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' परियोजना के तृतीय चरण का भव्य शुभारंभ 23 फरवरी को सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं सत्कार योग्य निरंकारी राजपिता रमित के पावन सान्निध्य में होगा। इस अवसर पर संत निरंकारी मिशन के जोन 24 ए की सभी ब्रांचों के साथ ही भोपाल ब्रांच द्वारा रविवार 23 फरवरी को प्रात: 7 से 10 बजे तक खटलापुरा मंदिर से करिश्मा पार्क छोटा तालाब के किनारे और बैरागढ़ ब्रांच द्वारा प्रात: 7 से 10 बजे तक झूलेलाल विर्सजन घाट के सामने गुलाब उद्यान के समीप तालाब किनारे साफ-सफाई की जाएगी।

संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह जी महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 'प्रोजेक्ट अमृत' का शुभारंभ किया था। संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिंदर सुखीजा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह वृहद अभियान देशभर में 27 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के 900 से अधिक शहरों में 1600 से भी अधिक स्थानों पर एक साथ आयोजित किया जाएगा। इस महाअभियान की यह अभूतपूर्व व्यापकता इसे एक ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करेगी, जिससे जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश और अधिक प्रभावशाली रूप से जन-जन तक पहुंचेगा।

बकानिया से किया समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम का उद्घाटन

1500 ग्रामीण और 20 से अधिक सरपंच हुए शामिल, किसानी के विकास में निभाएंगे अहम योगदान

संत हिरदाराम नगर। फंदा ब्लॉक के बकानिया गांव में समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। ग्रामीण विकास को सशक्त बनाने के लिए एचडीएफसी बैंक परिवर्तन और अर्पण सेवा संस्थान द्वारा किसान और किसानी के विकास के लिए संयुक्त रूप से यह योजना चलाई जा रही है। इस कार्यक्रम में एचडी बैंक और अर्पण सेवा संस्थान के पदाधिकारियों के सात 20 परियोजनाओं के सरपंच और 1500 से अधिक ग्रामीण जन शामिल हुए और अर्पण सेवा संस्थान की पूर्व परियोजनाओं की सफलता से प्रेरणा ली। उद्घाटन सत्र में समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम की आगामी पहलों जैसे जल संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, शिक्षा, कौशल विकास, जैविक कृषि और महिला सशक्तिकरण पर चर्चा की गई। इस दौरान ग्रामीणों और हितधारकों के साथ संवाद सत्र आयोजित किए गए, जिससे कृषि उत्पादकता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। इस पहल को लेकर ग्रामीणों का उत्साह और सकारात्मकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इस कार्यक्रम का संचालन श्री विनोद शुक्ला (राज्य प्रमुख - अर्पण सेवा संस्थान, मध्यप्रदेश) ने किया और यह आयोजन एचडीएफसी बैंक, अर्पण सेवा संस्थान और स्थानीय समुदाय के बीच सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

साबित हुआ। समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम, भोपाल के ग्रामीण समुदायों के लिए समावेशी विकास और उज्जवल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में कार्य करेगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री राधेश्याम पाटीदार (उपाध्यक्ष - एचडीएफसी बैंक) सहित विभिन्न गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया जिनमें सुमन प्रसाद (उप निदेशक कृषि - भोपाल, मृत्युंजय कुमार (क्षेत्रीय प्रमुख - एचडीएफसी बैंक सीएसआर), डॉ. सुभकरण सिंह (सीईओ - अर्पण सेवा संस्थान), श्रीमती ऋचा नउला (उप प्रबंधक - एचडीएफसी बैंक सीएसआर), श्री राजीव त्रिपाठी (शाखा प्रबंधक - एचडीएफसी बैंक), श्री रामअवतार चौधरी (कार्यक्रम प्रबंधक - अर्पण सेवा संस्थान) एवं फंदा ब्लॉक के 20 परियोजना गांवों के ग्राम सरपंच शामिल थे। इस कार्यक्रम में 1,500 से अधिक किसानों, महिलाओं और ग्रामीणों ने भाग लिया।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स विवि में आयोजित हुआ सम्मान समारोह

भोपाल। राष्ट्रीय विष्णु खरे कविता सम्मान समारोह का भव्य आयोजन वनमाली सभागार, स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर में गरिमामय रूप से आयोजित किया गया। इस अवसर पर कला, साहित्य एवं संस्कृति के लिये समर्पित वनमाली सृजनपीठ द्वारा वनमाली जी के शिष्य एवं प्रखर कवि, आलोचक, अनुवादक, पत्रकार विष्णु खरे की स्मृति में राष्ट्रीय कविता सम्मान से चार अलग-अलग श्रेणियों में रचनाकारों को सम्मानित किया गया। विष्णु खरे आलोचना सम्मान से वरिष्ठ आलोचक, कवि, अनुवादक नंदकिशोर आचार्य (बीकानेर), विष्णु खरे अनुवाद सम्मान से वरिष्ठ अनुवादक ए. अरविंदाक्षन (केरल), विष्णु खरे कविता सम्मान से सुप्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, अनुवादक एवं आलोचक लीलाधर मंडलोई (नई दिल्ली) तथा विष्णु खरे युवा कविता सम्मान से युवा कवियत्री सुश्री पार्वती तिर्की (झारखंड) को सम्मानित किया गया।

सम्मान समारोह की अध्यक्षता करते हुए ख्यात रचनाकार डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी ने कहा कि साहित्य केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि यह समाज का दर्पण और दिशा-सूचक होता है। वनमाली कथा समय और राष्ट्रीय विष्णु खरे कविता सम्मान जैसे आयोजनों की महत्ता इस बात में निहित है कि वे साहित्यकारों और विचारकों को एक मंच पर लाकर समकालीन समाज, उसकी चुनौतियों और संभावनाओं पर सार्थक विमर्श की प्रेरणा देते हैं। आज सम्मानित होने वाले सभी रचनाकारों ने भी अपनी लेखनी से समाज की संवेदनाओं को स्वर दिया है। इनका लेखन न केवल साहित्य को समृद्ध करता है, बल्कि हमारे समय की जटिलताओं को भी उजागर करता है।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेंटर का उद्घाटन

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेंटर का शुभारंभ म.प्र. ग्लोबल इन्वेस्टर समिट के पूर्व संध्या पर किया गया। सेंटर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनके साथ डॉ. अजय चौबे, डायरेक्टर, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेंटर,सेवानिवृत मेजर जनरल श्याम श्रीवास्तव, डॉ. अरूण जोशी, कुलपति, सी.वी.रमन विश्वविद्यालय खण्डवा, रवि चतुर्वेदी, कुलसचिव, डॉ. सी.वी.रमन विश्वविद्यालय खण्डवा, डॉ. संगीता जोहरी, कुलसचिव आर.एन.टी.यू., डॉ. रचना चतुर्वेदी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री संतोष चौबे ने कहा कि आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में चयनित उद्यमियों को इस सेंटर की क्षमताओं से अवगत कराया जाएगा। इस सेंटर के माध्यम से उद्योगों और स्टार्टअप्स को नवाचारों और पेटेंटेड तकनीकों तक पहुंच प्रदान की जाएगी, जिससे वे उन्नत तकनीकों का लाभ उठाकर अपने व्यवसायों को और अधिक सशक्त बना सकें। निश्चित ही यह एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी। डॉ. अजय चौबे ने बताया कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर सेंटर नवाचारों, अनुसंधान और उद्योगों के बीच की कड़ी के रूप में कार्य करेगा, जिससे छात्रों और स्टार्टअप्स को पेटेंटेड तकनीकों तक सीधा लाभ मिलेगा।

नई सिविल एविएशन पॉलिसी के तहत मध्य प्रदेश सरकार हर 45 किमी पर हेलिपैड और हर 150 किमी पर हवाई अड्डा का करेगी निर्माण

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने अपनी नई सिविल एविएशन पॉलिसी के तहत राज्य में एयर कनेक्टिविटी को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस नीति के तहत हर 45 किलोमीटर की दूरी पर हेलिपैड और हर 150 किलोमीटर पर एक नया हवाई अड्डा बनाया जाएगा। इससे राज्य में हवाई यात्रा को बढ़ावा मिलेगा और व्यापार व पर्यटन को गति मिलेगी। राज्य सरकार एयरलाइंस को आकर्षित करने के लिए विशेष वित्तीय प्रोत्साहन भी देगी। मध्य प्रदेश को अन्य राज्यों से जोड़ने वाली प्रत्येक नई घरेलू उड़ान के लिए सरकार 7.50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता देगी। नई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए विमानन कंपनियों को 10 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इंदौर, उज्जैन और ओंकारेश्वर को हेलीकॉप्टर सेवाओं से जोड़ने के लिए जल्द ही टेंडर जारी किए जाएंगे। इससे इन

महत्वपूर्ण धार्मिक और व्यापारिक केंद्रों तक पहुंच आसान होगी। इस कदम से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी मजबूत होगी, जिससे पर्यटन और व्यावसायिक यात्रा को बढ़ावा मिलेगा। यात्रा का समय भी घटेगा, जैसे भोपाल से इंदौर की हवाई यात्रा मात्र 55 मिनट में पूरी हो सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मानना है कि विकसित इंफ्रास्ट्रक्चर और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति के कारण मध्य प्रदेश एक प्रमुख एयर कार्गो हब बन सकता है। इसकी क्षमता को देखते हुए, राज्य में 20 से अधिक आधुनिक कार्गो टर्मिनल स्थापित किए जा रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार और माल परिवहन को सुविधाजनक बनाएंगे। इस नीति से राज्य में रोजगार के नए अवसर भी खुलेंगे। होटल, परिवहन, विमानन प्रशिक्षण संस्थान, ग्राउंड स्टाफ और पायलट जैसे क्षेत्रों में नौकरियां बढ़ेंगी। सरकार उद्योगों के सतत विकास के लिए भी विशेष कदम उठा रही है। इसमें ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज, वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम, और सेंट्रलाइज्ड वेस्ट प्रोसेसिंग के लिए प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं। ग्रीन ट्रांसपोर्टेशन अपनाने वाले व्यवसायों को नई ग्रीन कार्ड योजना के तहत त्वरित अप्रूवल और रेगुलेटरी सहायता प्रदान की जाएगी। अब तक संस्कृति के केंद्र के रूप में पहचाने जाने वाले भोपाल को नई नीति के तहत वैश्विक निवेश और व्यापार के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इस नीति से मध्य प्रदेश देश और दुनिया में एक महत्वपूर्ण व्यापार और पर्यटन स्थल के रूप में उभरेगा।

शिव नवरात्रि के पंचम दिवस भगवान श्री महाकालेश्वर ने श्री छ्बीना स्वरुप धारण कर भक्तों को दिये दर्शन

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में शिवनवरात्रि का उत्सव मनाया जा रहा है। इस दौरान भगवान श्री महाकालेश्वर 25 फरवरी 2025 तक अलग-अलग नौ रूपों में श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। प्रतिदिन अनुसार श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण स्थित कोटितीर्थ के तट पर प्रातः 08 बजे से श्री गणेश पूजन व श्री कोटेश्वर महादेव भगवान का पूजन-अभिषेक-आरती के साथ शिव नवरात्रि महोत्सव के पंचम दिवस का प्रारम्भ हुआ। श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी श्री घनश्याम शर्मा के आचार्यत्व में 11 ब्राम्हणों द्वारा श्री महाकालेश्वर भगवान जी का अभिषेक एकादश-एकादशनी रूद्रपाठ से किया गया। अपराह्न में 3 बजे सांध्य पंचामृत पूजन के पश्चात श्री महाकालेश्वर भगवान ने छबिना रूप धारण किया।

शिव नवरात्रि के पाचवे दिन संध्या पूजन के पश्चात भगवान श्री महाकालेश्वर ने श्री छ्बीना स्वरुप धारण कर भक्तों को दर्शन दिये । भगवान श्री महाकालेश्वर को पीले रंग के नवीन वस्त्र के साथ मेखला, दुप्पटा, मुकुट, मुंड-माला, छत्र आदि से सुसज्जित कर श्रृंगार किया गया। साथ ही भगवान श्री महाकालेश?वर को नागकुंडल एवं फलों की माला में दर्शन दिए 7 शुक्रवार 22 फरवरी 2025 को श्री महाकालेश्वर भगवान श्री होल्कर स?वरूप में श्रद्धालुओं को दर्शन देगें। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा इस वर्ष नौ दिवसीय नारदीय कीर्तन हेतु पुणे से राष्ट्रीय कीर्तनकार आयुर्वेदाचार्य डॉ.अजय अपामार्जने का कीर्तन प्रतिदिन सायं 05 से 06 बजे तक मन्दिर परिसर मे नवग्रह मन्दिर के पास संगमरमर के चबूतरे पर हो रहा है 7 हरिकीर्तन के पाचवे दिन डॉ. अपामर्जने ने संत शिरोमणि सूरदास महाराज के भजन अवसर बार बार नहीं आवे ...... सुनाया एवं भजन के भावार्थ का वर्णन किया। जिसमे उन्होंने बताया कि मनुष्य मात्र को अनमोल जीवन व्यर्थ नहीं गवाना चाहिए यह जीवन बड़े पुण्य खर्च करने के बाद ही मिला है इसे भलाई, समाज सेवा, धर्म कार्य, देश कार्य आदि करने में व्यतीत करना चाहिए साथ ही भगवान कि भक्ति से ही जीवन सफल होगा, कथा के दौरान तबला पर संगत श्री श्रीधर व्यास ने की।

दिल्ली सरकार बनने के बाद मप्र में संगठन, सरकार और प्रशासन से जुड़े 3 लंबित फैसलों पर अब लगेगी मुहर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

दिल्ली विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो गई। वहां मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल ने भी शपथ ले ली। अब बीजेपी के दिल्ली के बड़े नेताओं को राज्यों के उन रुके हुए कामों को हरी झंडी दिखाना है, जो दिल्ली चुनाव की वजह से रुके हुए थे। इनमें मध्यप्रदेश के भी कई मामले हैं जिनका अब निराकरण होगा। बीजेपी संगठन स्तर से सरकार और प्रशासन तक के कई फैसले रुके हुए हैं, जिनका रास्ता अब खुलेगा। अभी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भी प्रदेश सरकार की व्यस्तता का कारण है, उसके बाद कई रुके हुए फैसलों पर दिल्ली से मुहर लगेगी। मध्य प्रदेश में सरकार और संगठन स्तर पर बड़ा बदलाव होने की संभावना लंबे समय से जताई जा रही थी। उन अटके हुए कामों को अब गति मिलेगी। इनमें सबसे महत्वपूर्ण मामला है बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के नाम की घोषणा। वीडी शर्मा का कार्यकाल पूरा हुए लंबा वक्त बीत गया, अभी तक नए अध्यक्ष का चुनाव नहीं हुआ। कुछ नाम चर्चा में है, पर किसके नाम पर मुहर लगेगी, ये फैसला दिल्ली से होगा।

दूसरा मामला है, मंत्रिमंडल में हल्के से फेरबदल का। बताया जा रहा है कि कुछ मंत्रियों के विभागों में फेरबदल होना तय है। साथ ही सवा साल के परफॉर्मेंस के आधार पर 3-4 मंत्रियों के भविष्य का भी फैसला हो सकता है। इन्हें हटाया जा सकता है और उनकी जगह नए मंत्रियों को मौका मिलेगा। लेकिन, अभी यह संख्या तय नहीं है कि किन मंत्रियों को हटाया जाएगा। लेकिन, यह तय है कुछ बदलाव तो होगा ही। सवा साल के दौरान सभी मंत्रियों का परफॉर्मेंस संतोषजनक नहीं रहा। इसका संकेत इस बात से भी मिलता है की मुख्यमंत्री ने 18 फरवरी को राज्यपाल से सौजन्य भेंट की थी। समझा जा रहा है कि इसमें इस मुद्दे पर भी कोई बात हुई होगी। वे फैसले जो पार्टी के दिल्ली हाईकमान की मुहर की वजह से रुके हुए हैं, उनमें एक निगम, मंडलों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की नियुक्तियों का भी है। अब इसका फैसला बहुत जल्द होने वाला है। मोहन यादव सरकार के गठन को करीब सवा साल हो गए, लेकिन अभी तक निगम, मंडलों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की कुर्सियां खाली पड़ी है। ये फैसला गुटीय संतुलन और पार्टी के हाशिये पर पड़े नेताओं को संतुष्ट करने के लिए किया जाता है। निश्चित रूप से यह निर्णय पार्टी के केंद्रीय संगठन की सहमति से होता है, जिसका अब समय आ गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव अभी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारी में व्यस्त है। इस वजह से प्रशासनिक बदलाव भी रुक गया था, जो समिट के निपट जाने के बाद फरवरी के अंतिम सप्ताह से फिर गति पकड़ेगा। अब सारी नजरें इस पर लगी है कि प्रदेश का अगला बीजेपी अध्यक्ष कौन बनता है! निगम-मंडलों में नियुक्तियों की हलचल कब शुरू होती है और मंत्रिमंडल में कब और कैसा फेरबदल होता है! इन सारे सवालों के जवाब मिलने में अब ज्यादा समय नहीं है!

मुख्यमंत्री डॉ. यादव लॉन्च करेंगे बायो फ्यूल योजना

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 में मुख्यमंत्री मोहन यादव बायो फ्यूल योजना पेश करेंगे, जो पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव आगामी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों में जुटे हुए हैं, जो भोपाल में 24-25 फरवरी 2025 को आयोजित की जाएगी। इस समिट में भारत और विदेशों से उद्योगपति, निवेशक और उद्यमी भाग लेंगे। समिट के दौरान कई नई योजनाओं और परियोजनाओं की घोषणा की जाएगी, जिनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट विजन के तहत बायो फ्यूल योजना प्रमुख होगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जानकारी दी कि इस योजना को त्द्धस्-2025 में प्रस्तुत किया जाएगा। यह योजना पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए तैयार की गई है और यह प्रधानमंत्री मोदी के 'ख्द्धस्न्नश्व' अभियान के सिद्धांतों पर आधारित है। इस योजना में बायो सीएनजी, बायोमास ब्रिकेट और पेलेट, तथा बायोडीजल जैसे हरित ईंधन शामिल हैं। सरकार बायो फ्यूल यूनिट स्थापित करने के लिए 200 करोड़ रुपये तक का निवेश प्रोत्साहन प्रदान करेगी। इसके अलावा, बिजली, पानी, गैस पाइपलाइन, सड़क, जल निकासी और कचरा प्रबंधन प्रणाली के लिए भी 5 करोड़ रुपये तक की सहायता दी जाएगी।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा और शुक्ल ने बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल एवं सामूहिक कन्या विवाह कार्यक्रम की तैयारियों का किया निरीक्षण

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे कैंसर अस्पताल का भूमि पूजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने छतरपुर के बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से भेंट कर आगामी 23 फरवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तावित कैंसर अस्पताल के भूमि पूजन कार्यक्रम की तैयारियों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। उप मुख्यमंत्री द्वय ने बागेश्वर धाम में बालाजी भगवान के दर्शन किए और प्रदेश की समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। बागेश्वर धाम परिसर में अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल की स्थापना की जा रही है, जिसका भूमि पूजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 23 फरवरी को करेंगे। इस अस्पताल से प्रदेश के हजारों मरीजों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएँ मिलेंगी। उन्होंने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ समय पर पूर्ण की जाएं।

251 कन्याओं का होगा सामूहिक विवाह: बागेश्वर धाम में 251 कन्याओं के सामूहिक विवाह भी कार्यक्रम 26 फ़रवरी को आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु शामिल होंगी। बागेश्वर धाम में आयोजित होने वाले इस भव्य विवाह कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों की कन्याओं के विवाह संपन्न कराए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री देवड़ा और उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने इस कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों से चर्चा की और आयोजन को सुचारू रूप से संपन्न कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी, कलेक्टर पार्थ जैसवाल, एसपी अगम जैन, सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

कोच्चि। केरल के जाने-माने ईसाई धार्मिक नेता श्री मोन्सी जोसेफ आज आधिकारिक रूप से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में शामिल हो गए। उन्होंने पार्टी के सिद्धांतों को अपनाया है और राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पवार और राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल के नेतृत्व में विश्वास जताया है। केरल के प्रदेश अध्यक्ष ए.एन.मोहम्मद कुट्टी, कई राज्य पदाधिकारियों और कोच्चि के सम्मानित सामुदायिक नेताओं की उपस्थिति में राष्ट्रीय महासचिव और मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता बृजमोहन श्रीवास्तव द्वारा उन्हें पार्टी में शामिल किया गया। इस अवसर पर, बृजमोहन श्रीवास्तव ने कहा कि मोन्सी जोसेफ के शामिल होने से केरल में एनसीपी को और मजबूती मिलेगी, जिससे आगामी पंचायत और नगरपालिका चुनावों में पार्टी की संभावनाएं बढ़ेंगी। उन्होंने केरल राज्य संगठन की भी सराहना की तथा इस बात पर बल दिया कि यह ए.एन.मोहम्मद कुट्टी के नेतृत्व में प्रभावी ढंग से कार्य कर रहा है।

मध्य प्रदेश में टैक्स फ्री घोषित होने के बावजूद छावा के टिकट पर कोई छूट नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश में टैक्स फ्री घोषित किए जाने के बावजूद उज्जैन में फिल्म छावा के दर्शकों से टैक्स वसूला जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हाल ही में इसे टैक्स फ्री करने की घोषणा की थी, लेकिन स्थानीय स्तर पर अब तक इसका पालन नहीं हुआ है। मध्य प्रदेश के उज्जैन से एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। शिवाजी महाराज के पुत्र संभाजी के जीवन पर आधारित फिल्म 'छावा' को पूरे प्रदेश में टैक्स फ्री घोषित किया गया था, लेकिन इसके बावजूद उज्जैन में दर्शकों से टैक्स वसूला जा रहा है। बुधवार को जबलपुर में एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फिल्म 'छावा' को टैक्स फ्री घोषित किया था, लेकिन इसके बावजूद उज्जैन के नानाखेड़ा स्थित पीवीआर में दर्शकों से अभी भी पूरा टैक्स वसूला जा रहा है। शुक्रवार को फिल्म देखने पहुंची एक महिला ने दो टिकट खरीदे, जिन पर 40 रुपये अतिरिक्त भुगतान करना पड़ा। इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जब मैनेजर से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि उन्हें अब तक टैक्स फ्री को लेकर कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। इसी कारण दर्शकों से पूरा शुल्क लिया जा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जैसे ही आधिकारिक मेल प्राप्त होगा, टिकट दरों में आवश्यक कटौती की जाएगी।

प्रदेश की एकीकृत टाउनशिप नीति से शहरों का होगा नियोजित विकास

भोपाल। प्रदेश में नगरीय विकास एवं आवास विभाग की एकीकृत टाउनशिप नीति-2025 को मंजूरी दी गई है। नवीन नीति से प्रदेश में रियल एस?टेट विकास में निजी निवेश को प्रोत्साहित किये जाने के ठोस प्रयास किये जायेंगे। नीति के जरिये प्रदेश में किफायती आवास की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। नई टाउनशिप नीति से राज्य की सामाजिक-आर्थिक और बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता को पूरा किया जायेगा। प्रदेश में लैंड पूलिंग के माध्यम से सार्वजनिक और निजी भागीदारी को प्रोत्साहित किया जायेगा।

विभाग द्वारा हाल ही में तैयार की गयी एकीकृत टाउनशिप नीति से रियल एस्टेट के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रदेश में अब भूमि मालिक लैंड पूलिंग से एक साथ आकर एकीकृत टाउनशिप विकसित कर सकेंगे। इससे राज्य में निवेश के अधिक अवसर बढ़ेंगे और राज्य की अधोसंरचना सुविधाओं में तेजी से विकास होगा। नीति में वर्क सेंटर, जिसके अंतर्गत वाणिज्यिक, कार्यालय, बाजार, आईटी, शैक्षिक, स्वास्थ्य सेवाएँ, मनोरंजन आधारित गतिविधियाँ आदि के प्रावधान रखे गये हैं। इन सबके बढ़ने से राज्य की जीडीपी में वृद्धि होगी। वर्तमान में डेवलपर द्वारा छोटी-छोटी भूमियों पर कॉलोनियों का विकास किया जा रहा है, जिसके कारण नगर स्तर की अधोसंरचनाएँ विकसित नहीं हो पा रही हैं। तैयार की गयी नई नीति में ऐसे प्रावधान रखे गये हैं, जिससे शहर में सामाजिक एवं भौतिक अधोसंरचना का विकास हो सकेगा।

नागरिकों की सुविधा के लिये कुल क्षेत्रफल का 10 प्रतिशत पार्क और खुले स्थान का प्रावधान है, जिससे शहर में हरित क्षेत्र का विकास होगा। एकीकृत टाउनशिप नीति में कमजोर एवं निम्न आय वर्ग के लिये कुल आवासीय इकाइयों का न्यूनतम 15 प्रतिशत का प्रावधान रखा गया है। इस प्रावधान से राज्य के कमजोर एवं निम्न आय वर्ग की आवास की जरूरत पूरी होगी।

नीति के क्रियान्वयन के लिये साधिकार समिति

एकीकृत टाउनशिप नीति के क्रियान्वयन के लिये 5 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर के लिये प्रमुख सचिव शहरी विकास और आवास की अध्यक्षता में कमेटी गठित की गयी है। ऐसे जिले जहाँ 5 लाख से कम आबादी वाले शहर हैं, वहाँ कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित की गयी है। समिति में नगर तथा ग्राम निवेश, शहरी निकाय के आयुक्त, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को भी शामिल किया गया है।

टाउनशिप परियोजनाओं के लिये प्रोत्साहन

नई नीति में निवेशकों को लैंड प्रोक्योरमेंट में सुविधा, सरकारी भूमि का कंट्रीब्यूशन, टीडीआर का लाभ और उच्चतम सीमा के लाभ का प्रावधान रखा गया है। नई नीति के जरिये कालोनी नियमों में रिलैक्सेशन, विकास योजना के भू-उपयोग में उपांतरण का प्रावधान रखा गया है। ईडब्ल्यूएस, एलआईजी किफायती आवास के अतिरिक्त विकास पर अधिकतम 30 प्रतिशत और सामान्य आवास इकाइयों तक अतिरिक्त ईडब्ल्यू, एलआईजी अफोर्डेबल आवास के विकास पर प्रोत्साहन के रूप में अतिरिक्त एफएआर प्रदान किया जायेगा। आवासीय कॉलोनियों में ऊर्जा के गैर परम्परागत उपयोग को बढ़ावा देने के लिये प्रोत्साहन के रूप में डेवलपर को अतिरिक्त एफएआर प्रदान किया जायेगा। नीति में नोडल एजेंसी डेवलपर को 60 दिनों में संबंधित विभागों से मंजूरी और अनापत्ति प्रमाण-पत्र लेने में सुविधा प्रदान करने की शर्त रखी गयी है।

निजी गाड़ियों पर हूटर और सायरन के खिलाफ दिग्विजय सिंह हाईकोर्ट जाएंगे

डीजीपी को पत्र लिखा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्राइवेट गाड़ियों पर हूटर और सायरन लगाकर रौब झाड़ने वाले नेताओं पर कार्रवाई के लिए पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने डीजीपी को पत्र लिखा है। पत्र के माध्यम से दिग्विजय सिंह ने सत्ताधारी दल के नेताओं पर निशाना साधा। यदि उनके पत्र पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे हाई कोर्ट में याचिका लगा सकते हैं, ताकि इस पर रोक लगे। पूर्व सीएम ने डीजीपी को लिखे लेटर में कहा कि प्रदेश में मोटर व्हीकल एक्ट के प्रावधानों के विरूद्ध निजी वाहनों में हूटर का दुरूपयोग करने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। सत्ताधारी दल के नेता बिना पात्रता के वाहनों पर हूटर लगाकर कानून का उल्लंघन कर रहे है। ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए जाने की कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने लिखा कि मुझे उम्मीद है कि बिना किसी राजनैतिक दबाव में आए पुलिस, प्रदेश को हूटरों के चलन से मुक्ति दिलाएगी।

दिग्विजय सिंह ने आगे लिखा कि पुलिस द्वारा सख्ती से कार्यवाही नहीं किए जाने से छुटभैया नेता आमजन पर रोब जमा रहे हैं। मोटर व्हीकल एक्ट 1989 के तहत पुलिस की गाड़ियों सहित फायर बिग्रेड और एम्बुलेंस में ही हूटर का इस्तेमाल किए जाने का नियम है। इन वाहनों के अलावा अन्य किसी भी वाहन का हूटर लगाना प्रतिबंधित है। अगर कोई व्यक्ति बिना पात्रता के वाहनों पर हूटर लगाता है, तो चालान बनाकर वाहन जब्त किए जाने चाहिए। दिग्विजय सिंह ने आगे लिखा, पिछले कुछ समय से प्रदेश की राजधानी भोपाल सहित अन्य शहरों में हूटर लगी गाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। आपराधिक तत्व तक गाड़ियों में हूटर लगाकर विशिष्ट श्रेणी में दिखाने का आतंक फैला रहे है।

पुलिस बल भी स्थानीय नेताओं के दबाव में सख्त कार्यवाही करने से पीछे हट जाते है। दिग्विजय सिंह ने आगे लिखा कि हूटर लगाकर घूमने वाले लोग अपनी गाड़ियों पर अनेक संगठनों के पदनाम भी लिखवा लेते है। विधायक, सांसद से लेकर जिला पंचायत, जनपद पंचायत, सहकारी संगठन, सांसद एवं विधायक प्रतिनिधि, सरपंच प्रतिनिधि तक गाड़ियों पर नंबर प्लेट की जगह पदनाम की बड़ी-बड़ी पट्टिका लगाकर पुलिस बल को चुनौती देते दिख रहे हैं। ऐसे तत्वों की अराजकता के चलते कई बार ट्रैफिक जाम तक की स्थिति बनती है।

लोक निर्माण मंत्री के निर्देश पर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कड़ी जांच

भोपाल। प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के निर्देश पर निर्माण कार्यों के औचक निरीक्षण की नवीन पहल प्रारंभ की गई हैं। इससे तहत हर माह की 5 और 20 तारीख़ को सॉफ्टवेयर के माध्यम से रैंडम तरीके से चयनित दलों, जिलों, निर्माण कार्यों और सामग्री के सैंपल लेने के स्थानों का औचक निरीक्षण किया जाएगा।

मंत्री सिंह के निर्देशानुसार हाल ही में लोक निर्माण विभाग के सातों परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंता के सात दलों द्वारा सात जिलो में किया गया जिसमें कुल 35 कार्यो को रेण्ड़म आधार पर चयनित किया गया।इन 35 कार्यो में से 14 कार्य पी.डब्ल्यू.डी. सड़क/ पुल, 12 कार्य पी.आई.यू., 6 कार्य म.प्र. सड़क विकास निगम, 01 कार्य म.प्र. भवन विकास निगम एवं 02 कार्य पी.डब्ल्यू.डी. (एन.एच.) का शामिल किया गया। एक-एक जिले में मुख्य अभियंताओं की टीमों द्वारा निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण के बाद प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, भरत यादव की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में निरीक्षण किए गए सात जिलों के 35 निर्माण कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, जिसे सॉफ्टवेयर पर अपलोड कर पोर्टल पर प्रदर्शित किया गया। बैठक में प्रमुख अभियंता (बी.एण्ड आर), उपसचिव म.प्र. शासन, लोनिवि, समस्त मुख्य अभियंता एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारी उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम जिले के अंतर्गत बनवारी से तरौनकला सिमारा डापका मार्ग निरीक्षण में पाई गई कमियों के कारण संजय रायकवार कार्यपालन यंत्री नर्मदापुरम को कारण बताओं सूचना पत्र एवं आर.पी. शर्मा अनुविभागीय अधिकारी व कैलाश गुरदे उपयंत्री को निलंबित तथा ठेकेदार मेसर्स बिंदल डेवलपर्स को कालीसूची में दर्ज करने हेतु मुख्य अभियंता को निर्देशित किया गया। कटनी-बरही-इंदवार-ताला मार्ग परफार्मेस गांरटी के अंतर्गत ठेकेदार के द्वारा सम्पूर्ण मरम्मत कार्य नहीं करने के कारण स्वर्णकार संभागीय प्रबंधक म.प्र. सड़क विकास निगम शहडोल को एक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने तथा ठेकेदार मेसर्स टी.बी.सी.एल को कालीसूची में दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया। झाबुआ शासकीय महाविघालय पेटलावद में 6 अतिरिक्त अध्ययन कक्ष निर्माण कार्य में अनियमितता पर अलसिंह भिडे कार्यपालन यंत्री (भवन) को कारण बताओं सूचना पत्र जारी एवं ठेकेदार मेसर्स वीनस कंस्ट्रक्शन राजगढ जिला धार को ब्लैक लिस्टेड करने के निर्देश दिये गये।

मध्यप्रदेश तेजी से आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएम निवेश का केन्द्र बना

इन विशेषताओं में दुनिया को आकर्षित किया

- 5 आईटी एसईजेड और 15 से अधिक आईटी पार्क प्रदेश में एक मजबूत प्रौद्योगिकी बुनियादी ढांचा तैयार करते हैं।
- राज्य में 50 से अधिकबड़ी आईटी कंपनियां संचालित हैं, जो एक मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर में योगदान करती हैं।
- प्रौद्योगिकी क्षेत्र में 15 लाख से अधिकप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हैं।
- राज्य से लगभग 1200 से अधिकतकनीकी स्टार्टअप और 2 यूनिकॉर्न उभरे हैं।
- राज्य भर में 300 से अधिककॉलेज तकनीकी शिक्षा प्रदान करते हैं।
- स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा धारकों सहित सालाना 50 हजार से अधिक तकनीकी स्नातक।
- डेटा केंद्रों और आईटी क्षेत्र के लिए 24/7 विश्वसनीय बिजली आपूर्ति और कच्चे माल की उपलब्धता।
- कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता का 27% नवीकरणीय स्रोतों से आता है।उद्योगों के लिए खुली पहुंच की अनुमति है।

राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी मध्यप्रदेश

- मध्यप्रदेश का जीएसडीपी भारत की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में 5% का योगदान करता है।
- उभरते आईटी/ ईएसडीएम निर्यात का लक्ष्य भारत के 220 लाख करोड़ रुपए के मजबूत निर्यात बेंचमार्क को ध्यान में रखते हुए आगे वृद्धि करना है।
- मध्यप्रदेश में आईटी/आईटीईएस और ईएसडीएम क्षेत्र 5 लाख करोड़ रुपए का योगदान करते हैं, जो भारत के 465 लाख करोड़ रुपए की तुलना में स्थिर वृद्धि दर्शाता है।

इसलिए मप्र हैं पसंदीदा राज्य

- व्यापार-समर्थक नीतियां:वैश्विक तकनीकी मांगों का समर्थन करने के लिए अनुकूलित प्रोत्साहन।
- भारत में टियर-2 शहरों का गतिशील तकनीकी केंद्रों के रूप में उदय, कार्य और नवाचार के भविष्य को नया स्वरूप देना - इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर।
- लागत प्रभावी संचालन, कार्य जीवन संतुलन, उच्च जीवन स्तर।
- स्टार्टअप विकास:नवाचार के लिए पर्याप्त अवसरों के साथ एक बेहतर इकोसिस्टम।

24 एवं 25 फरवरी को होगा समिट

24 एवं 25 फरवरी2025 को भोपाल में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान एमपी मोबिलिटी एक्सपो का आयोजन होगा। यह प्रमुख कार्यक्रम राज्य की ऑटोमोटिव क्षेत्र में हुई प्रगति को प्रदर्शित करेगा। नवाचार और स्थिरता पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथएक्सपो का उद्देश्य मध्यप्रदेश को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और भविष्य के परिवहन समाधानों के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में स्थापित करना है। मध्यप्रदेश ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रिक वाहन के क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। राज्य 30 से अधिक मूल उपकरण निर्माताओं और अगली पीढ़ी की मोबिलिटी पर मजबूत जोर देने के साथ-साथटिकाऊ और नवाचार वाले भविष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश वाणिज्यिक वाहनों और कृषि उपकरणों के निर्माण के क्षेत्र में एक शीर्ष राज्य है। प्रदेश की औद्योगिक सहायक नीतियों और अपने मजबूत औद्योगिक बुनियादी ढांचेने ऑटोमोटिव उद्योग के कई दिग्गजों को आकर्षित किया है।

कोयले से लेकर हीरे तक मध्यप्रदेश भूमिगत खजानों में भी अग्रणी

समृद्ध खनिज संपदा

पूरा मध्यप्रदेश खनिज संपदा से भरा पड़ा है। ग्वालियर और शिवपुरी में आयरन और क्वार्ट्ज और फ्लैगस्टोन पाया जाता है। झाबुआ और अलीराजपुर में रॉक फास्फेट डोलोमाइट, लाइमस्टोन, मैंगनीज और ग्रेफाइट मिलता है। नीमच में लाइमस्टोन, बैतूल में कोल, ग्रेफाइट ग्रेनाइट, लेड और जिंक मिलता है। छिंदवाड़ा में कोल, मैंगनीज और डोलोमाइट मिलता है बालाघाट में कॉपर, मैंगनीज, डोलोमाइट, लाइमस्टोन, बॉक्साइट, मंडला और डिंडोरी में डायमंड, डोलोमाइट और बॉक्साइट, सिंगरौली में कोल, गोल्ड, आयरन और शहडोल, अनूपपुर, उमरिया में कोल, कॉल बेड मीथेन, बॉक्साइट, सागर, छतरपुर और पन्ना में डायमंड, रॉक फॉस्फेट डायस्पोर, आयरन और ग्रेनाइट मिलता है। जबलपुर में डोलोमाइट, आयरन अयस्क, लाइमस्टोन, मैंगनीज, गोल्ड और मार्बल मिलता है। देश में कोयल का उत्पादन 3 लाख 61 हजार 411 मीट्रिक टन है। मध्यप्रदेश में 30 हजार 916 मेट्रिक टन कोल्ड रिजर्व है, जो देश का 8 प्रतिशत है। इसीप्रकार चूना पत्थर देश में 19028.5 मैट्रिक टन है और मध्यप्रदेश में 1692 मिट्रिक टन है, जो देश का 9त है। लौह अयस्क देश में 6209 और मध्यप्रदेश में 54.1 मीट्रिक टन है, जो देश का एक प्रतिशत है।

एक उज्जवल भविष्य

मध्यप्रदेश की रणनीतिक स्थिति, कुशल कार्यबल और खनिज बहुतायत निवेशकों के लिए अवसर का एक अनूठा त्रिकोण बनाते हैं। मजबूत नीति समर्थन और बुनियादी ढांचे के साथराज्य भारत के खनन और खनिज क्षेत्र में अग्रणी बने रहने के लिए तैयार है। मध्यप्रदेश मेंप्राकृतिक संसाधन न केवल संसाधनों बल्कि विकास, नवाचार और स्थिरता की क्षमता रखते हैं। यह जीवंत खनन परिदृश्य वैश्विक निवेशकों को इसकी परिवर्तनकारी यात्रा का हिस्सा बनने के लिए आकर्षित करता है। 25 फरवरी 2025 को मध्यप्रदेश सरकार का प्रमुख निवेश संवर्धन कार्यक्रम इन्वेस्ट मध्यप्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 खनन क्षेत्र पर एक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। खनन शिखर सम्मेलन खनन और इससे संबंधित उद्योगों, तेल और गैस क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के उद्देश्य से आयोजित एक कार्यक्रम है। राज्य के प्रचुर खनिज संसाधनों के उपयोग पर ध्यान देने के साथ-साथ शिखर सम्मेलन नियामक ढांचे और तकनीकी प्रगति पर चर्चा की सुविधा प्रदान करेगा। यह मंच सरकारी अधिकारियों, उद्योग जगत के दिग्गजों और निवेशकों को इस क्षेत्र में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए एक साथ लाएगा, जो मध्यप्रदेश को खनन और ऊर्जा क्षेत्र के विकास के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगा।

खनिज संपदा से परिपूर्ण मध्यप्रदेश

- भारत का एकमात्र हीरा उत्पादक राज्य
- तांबा अयस्क और मैंगनीज अयस्क का अग्रणी उत्पादक
- देश के शीर्ष खनिज उत्पादक राज्यों में शामिल:
- रॉक फॉस्फेट (दूसरा)
- चूना पत्थर (तीसरा)
- कोयला (चौथा)

खनिज ब्लॉक नीलामी में उपलब्धियाँ

- पहला पुरस्कार: जनवरी 2024 में राज्य खनन मंत्रियों के सम्मेलन में सर्वाधिक ब्लॉक नीलामी के लिए सम्मानित।
- पहला पुरस्कार: जुलाई 2022 में भारत सरकार से प्रमुख और गौण खनिजों के लिए।
- दूसरा पुरस्कार: जुलाई 2022 में भारत सरकार से लौह अयस्क, चूना पत्थर और बॉक्साइट के लिए।
- 78 ब्लॉक: अब तक सफलतापूर्वक नीलाम, यह सभी राज्यों के बीच मध्यप्रदेश का एक रिकॉर्ड है।

भारत का हृदय मध्यप्रदेशखनिज संपदा और खनन क्षमता का एक पावर हाउस है। अद्वितीय खनिज भंडार और रणनीतिक नीति समर्थन के साथ राज्य खनन और खनिज आधारित उद्योगों के लिए एक प्रकाश स्तंभ बन गया है। कोयले से लेकर हीरे तक मध्यप्रदेश भारत के भूमिगत खजानों को अनलॉक करने में अग्रणी है। राज्य में महत्वपूर्ण खनिजों के विशाल भंडार हैं। यह भारत का एकमात्र हीरा उत्पादक राज्य है, पन्ना रत्न-श्रेणी के हीरे के खनन के वैश्विक केंद्र के रूप में चमक रहा है। भारत के कोलबेड मीथेन (सीबीएम) भंडार के 36% के साथमध्यप्रदेश राष्ट्र की ऊर्जा मांगों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सतना, रीवा और सीधी जैसे जिलों में फैले चूना पत्थर के भंडारतेजी से बढ़ते सीमेंट उद्योग की पूर्ति करते हैं, जबकि बालाघाट भारत के 73% भंडार के साथ तांबे के उत्पादन में अग्रणी है। मैंगनीज अयस्क, बॉक्साइट और रॉक फॉस्फेट जैसे प्रमुख संसाधन राज्य की प्रोफ़ाइल को और बढ़ाते हैं, जबकि दुर्लभ पृथ्वी तत्वों, ग्लूकोनाइट और टिन में संभावित खोज गतिविधियों का पता चलता है।बैतूल और सीधी जैसे जिलों में ग्रेफाइट की उपस्थिति इस्पात और ऑटोमोटिव क्षेत्रों की बढ़ती जरूरतों की पूर्ति करने की क्षमता बताती है।

जैसे-जैसे भारत अपने नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों की ओर बढ़ रहा है, मध्यप्रदेश में खनन क्षेत्र महत्वपूर्ण बनता जा रहा है। शाहडोल और सिंगरौली में कोयला भंडार थर्मल बिजली उत्पादन के लिए अपरिहार्य हैं।भले ही राज्य हरित विकल्पों की खोज कर रहा हो। इसके अतिरिक्तइलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्रांति से प्रेरित तांबे की बढ़ती मांगमध्यप्रदेश को तांबा शोधन और संबद्ध उद्योगों के केंद्र के रूप में स्थापित करती है। राज्य खोज में अत्याधुनिक तकनीकों का भी लाभ उठा रहा है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एमईसीएल) जैसी एजेंसियां नए खनन ब्लॉकों की क्षमता को अनलॉक करने के सर्वेक्षण कर रही हैं।

D-19313/24

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

INVEST MADHYA PRADESH GLOBAL INVESTORS SUMMIT
24 & 25 FEBRUARY 2025, BHOPAL
— INFINITE POSSIBILITIES —

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

जीआईएस में प्रधानमंत्री लांच करेंगे प्रदेश की विभिन्न औद्योगिक नीतियां

विभिन्न श्रेणियों में अब तक हुए 31 हजार 659 से अधिक पंजीयन

भोपाल। 24 एवं 25 फरवरी को भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के सुव्यवस्थित बेहतर आयोजन के लिए गठित शीर्ष समिति की बैठक मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने बताया प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को सुबह करीब 10 बजे दो दिवसीय जीआईएस का शुभारंभ कर मध्यप्रदेश की सभी नवीनतम औद्योगिक नीतियों की लॉन्चिंग भी करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जीआईएस परिसर में स्थापित किये जाने वाले एमपी एक्सपीरियंस जोन का अवलोकन भी करेंगे। इस जोन में इमर्सिव डिजिटल वॉक-थ्रू के रूप में मध्यप्रदेश की विरासत, अब तक की प्रगति और भावी आकांक्षाओं का समन्वित संयोजन एवं प्रदर्शन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीआईएस को भव्य, सुव्यवस्थित और परिणामदायी बनाने के लिए सभी विभाग बेहतर समन्वय एवं सामंजस्य से कार्य करें।

आयोजन को बनाएं ऐतिहासिक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देशित किया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से की जा रही है। इसीलिए आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी तैयारियां व्यापक स्तर पर की जायें। जीआईएस के आयोजन में प्रबंधन संबंधी कोई भी कमी न रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों को सहज आकर्षित करने के लिए राज्य की सभी निवेशक हितैषी औद्योगिक नीतियों, म.प्र. में उद्योगों के लिए उपलब्ध व्यापक अधोसंरचनाओं और संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश को इंडस्ट्री फ्रेंडली स्टेट बनाने के लिए निवेशकों को वांछित सभी जरूरी सहायता एवं सुविधाएं मुहैया कराई जाएं।

देश-विदेश से आने वाले निवेशक हमारे विशेष अतिथि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीआईएस में देश-विदेश से भोपाल आने वाले निवेशक हमारे विशेष अतिथि हैं, इसलिए उनका स्वागत व अभिनंदन विशुद्ध भारतीय आतिथ्य परम्परा से किया जाए। इन दो दिनों को स्मरणीय बनाने के लिए मध्यप्रदेश की संस्कृति, यहां की सत्कार परम्परा, विभिन्न कला उत्पादों सहित यहां के ख़ान-पान, व्यंजन आदि का विशेष रूप से प्रदर्शन किया जाए, जिससे निवेशक दो दिन मध्यप्रदेश में रहने के शानदार अनुभव लेकर जाएं। मुख्यमंत्री ने भोपाल के तालाबों एवं पूरे शहर का आकर्षक सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़ी झील में पाल-नौकायन और ई-बैटरी से चलित नौकाओं का संचालन किया जाए, जिससे निवेशक और दूसरे प्रतिभागी भोपाल के अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ ले सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से कहा कि इस समिट से प्रदेश में औद्योगिक विकास को नया आयाम मिलेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

जीआईएस में लोकल उत्पादों को मिलेगा ग्लोबल मंच

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ÷एक जिला-एक उत्पाद÷ हमारे कारीगरों और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में एक्स-पो माध्यम से हम अपने स्थानीय उत्पादों को वैश्विक मंच देने जा रहे हैं, जिससे प्रदेश के उद्योगों, विशेष रूप से हस्तशिल्प और कृषि उत्पादों को नई पहचान मिलेगी। यह एक्स-पो न केवल हमारे कारीगरों के कौशल को प्रदर्शित करेगा, बल्कि उन्हें नए व्यावसायिक अवसर भी प्रदान करेगा।÷ मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में आयोजित होने वाली 2 दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में ÷एक जिला-एक उत्पाद÷ एक्स-पो प्रदेश के पारंपरिक उद्योगों और हस्तशिल्प को वैश्विक मंच प्रदान करेगा। इसमें मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के विशिष्ट उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे स्थानीय शिल्प, कृषि और खाद्य उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी।

ओडीओपी ज़ोन- परंपरा और नवाचार का संगम- एक्स-पो में प्रदेश के 38 ओडीओपी उत्पादों के लिए विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे, जिन्हें लाइव काउंटर और प्रोसेस काउंटर में विभाजित किया गया है। लाइव काउंटर में बाघ प्रिंट, जरी जरदोजी, बाटिक प्रिंट, कालीन, चंदेरी साड़ी, बांस, बलुआ पत्थर और कपड़े की जैकेट जैसे आठ प्रमुख उत्पादों के निर्माण की प्रक्रिया को कारीगरों द्वारा लाइव प्रस्तुत किया जाएगा। खास बात यह है कि प्रतिनिधि और अतिथि कारीगरों के मार्गदर्शन में खुद भी इन उत्पादों को बनाने का अनुभव ले सकेंगे।

'कुम्हार पुरा' और 'टेक्निकल ज़ोन' - मानव संग्रहालय में मिट्टी के बर्तन और धातु कला के लाइव काउंटर भी आकर्षण का केंद्र होंगे।

खाद्य और कृषि उत्पादों की झलक- एक्स-पो में खाद्य, मसाले और फलों से जुड़े 32 ओडीओपी उत्पादों के स्टॉल पर उनकी निर्माण प्रक्रिया के साथ प्रदर्शित किया जाएगा।

जीआईएस में औद्योगिक निवेश और आर्थिक विकास की संभावनाओं पर होगा मंथन

उद्योग संघ के प्रतिनिधि एवं उद्योगपति साझा करेंगे अपने अनुभव

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 में उद्योग जगत के दिग्गज, नीति निर्माता, निवेशक और विशेषज्ञ मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश और आर्थिक विकास की संभावनाओं पर मंथन करने के लिए एक मंच पर जुटेंगे। राज्य सरकार द्वारा निवेशकों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में नए अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल, मैन्युफैक्चरिंग, नवकरणीय ऊर्जा, हेल्थ केयर, खाद्य प्र-संस्करण, स्टार्ट-अप्स, वित्तीय सेवाओं और पर्यटन आदि क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं हैं। समिट में मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने और संभावनाओं और अवसरों का लाभ उठाने के लिये विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के दिग्गज उद्योगपति अपने अनुभव, विचार और रणनीतियां साझा करेंगे।

औद्योगिक नीति एवं शासन स्तर पर प्रयास

समिट में वस्त्र मंत्रालय की सचिव श्रीमती नीलम शमी राव, फार्मा विभाग के सचिव श्री अमित अग्रवाल, खाद्य प्र-संस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव श्री डी. वी. गनवीर, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव, खनिज विभाग के प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव आदि अधिकारी शामिल हो रहे हैं। इनके साथ ही जीएसआई के अपर महानिदेशक श्री धीरज कुमार, राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान के निदेशक श्री हितेश वैद्य और अन्य विशेषज्ञ भी मध्यप्रदेश में उद्योगों के विस्तार और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग

मध्यप्रदेश टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में तेजी से उभर रहा है। राज्य की अनुकूल औद्योगिक नीति के कारण कई बड़ी कंपनियां यहां निवेश को प्राथमिकता दे रही हैं। समिट में टीडब्ल्यूई ओबीटी प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ श्री इंगो सोलर, एईपीसी के महासचिव श्री मिथिलेश्वर ठाकुर, आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड के चेयरमैन श्री रिजू झुनझुनवाला, सेखानी ग्रुप ऑफ कंपनीज के निदेशक श्री रीनिश सेखानी और प्रतिभा सिंटेक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री श्रेयस्कर चौधरी टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश और विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

स्टार्ट-अप्स और नवाचार

स्टार्ट-अप्स और इनोवेशन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इनोगुरु के संस्थापक एवं सीईओ श्री वैदंत जैन, स्टार्ट-अप मिडिल ईस्ट के संस्थापक एवं सीईओ श्री सिबी सुधाकरण, दुबई स्थित सैव की संस्थापक श्रीमती पूर्वी मुनोत, एम-कैफीन एवं हाइफेन के सह-संस्थापक श्री तरुण शर्मा और स्किल्स के चांसलर श्री सिद्धार्थ चतुर्वेदी जैसे युवा उद्यमी और निवेशक इस क्षेत्र में नए अवसरों पर मंथन करेंगे।

हेल्थ केयर और फार्मा सेक्टर

मध्यप्रदेश फार्मा और हेल्थ केयर क्षेत्र में सहजना एंड मेडिकल टेक्नोलॉजीज के उपाध्यक्ष श्री राजीव छिब्बर, इन्वॉल्यूशन हेल्थकेयर के प्रबंध निदेशक श्री गौरव अग्रवाल, बायो-मेरियू इंडिया के प्रमुख श्री बिवाश चक्रवर्ती, सन फार्मास्युटिकल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के ग्लोबल हेड ऑपरेशंस श्री राहुल अवस्थी और आईपीसीए लेबोरेट्रीज के प्रबंध निदेशक श्री अजीत कुमार जैन विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

नवकरणीय ऊर्जा और ग्रीन टेक्नोलॉजी

ग्रीन एनर्जी और सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बन रहा है। टाटा पॉवर के श्री दीपेश नंदा, ओ-2 पॉवर के श्री पराग शर्मा, अवाडा एनर्जी के श्री विनीत मित्तल, रिन्यू पॉवर के श्री सुमंत सिन्हा, जिंदल के श्री अमित मित्तल, वारी एनर्जी के श्री पंकज दोशी, ग्रीनको के श्री अनिल कुमार चेलमुनशेट्टी और एसईसीआई के चेयरमैन श्री रामेश्वर गुप्ता जैसे प्रमुख निवेशक राज्य में नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नए अवसरों पर चर्चा करेंगे।

वित्त एवं निवेश

मध्यप्रदेश की निवेश-अनुकूल नीतियों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों के कारण वित्तीय क्षेत्र में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। बीम्स फिनटेक के संस्थापक श्री अनुज गोलेचा, एक्वानिमिटी मैनेजमेंट सर्विसेज एलएलपी के प्रबंध भागीदार श्री राजेश सहगल, आईटीआई ग्रोथ फंड के जनरल पार्टनर श्री मोहित गुलाटी, यूनिकॉर्न इंडिया वेंचर्स के प्रबंध भागीदार श्री भास्कर मजूमदार और डन एंड ब्रैड स्ट्रीट इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ श्री अविनाश गुप्ता राज्य में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे।

पर्यटन , हॉस्पिटैलिटी

मध्यप्रदेश का पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर निवेशकों को आकर्षित कर रहा है। इस क्षेत्र में ताज होटल्स, रिसॉर्ट्स एंड पैलेसेस के सीईओ श्री पुनीत चटवाल, वंडरला हॉलीडेज लिमिटेड के अध्यक्ष श्री शिवदास एम और एडवेंचर टूरिज्म क्षेत्र के विशेषज्ञ श्री अजीत बजाज शामिल हैं। बिग बॉस के वॉयस आर्टिस्ट श्री विजय विक्रम सिंह भी समिट में विशेष प्रतिभागी के रूप में शामिल हो रहे हैं।

कृषि और खाद्य प्र-संस्करण

कृषि और खाद्य प्र-संस्करण उद्योग क्षेत्र में आईटीसी एग्री बिजनेस डिवीजन के श्री गणेश के. सुंदररमन, पेप्सिको इंडिया के श्री अनुकूल जोश, ग्रीन ग्रेन के श्री प्रतीक शर्मा और आईएफसी वर्ल्ड बैंक के श्री विजयसैकर कलवकोंडा निवेश और विकास की संभावनाओं पर विचार करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से औद्योगिक हब के रूप में उभर रहा है।

मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 लिखेगी प्रदेश की समृद्धि का नया अध्याय

घरेलू और विदेशी निवेशकों के लिये सुनहरा अवसर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और जीआईएस में जुट रहे निवेशकों को आकर्षित करने राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 जारी की है। पॉलिसी के नवाचारों से लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाकर आपूर्ति दक्षता को बेहतर बनाएगी। उन्होंने कहा कि पॉलिसी का उद्देश्य प्रदेश में दक्ष, विश्वसनीय और रणनीतिक रूप से स्थाई विश्व स्तरीय लॉजिस्टिक इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास करना है, जिससे वर्ष 2030 तक लॉजिस्टिक लागत को वैश्विक मानकों के अनुरूप कम किया जा सके। इससे प्रदेश घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यवसायों के लिए आकर्षक स्थल बन सकेगा।

मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 प्रदेश के समग्र आर्थिक विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी। यह नीति राज्य को लॉजिस्टिक्स का प्रमुख केंद्र बनाने, निवेशकों को आकर्षित करने और व्यापार को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी। आगामी वर्षों में इससे मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी।

इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास से बढ़ेगी परिवहन दक्षता

अन्तर्देशीय और अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्टेशन के योग्य इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए राज्य सरकार 20 से अधिक कार्गो टर्मिनल विकसित कर रही है। इससे लॉजिस्टिक्स नेटवर्क मजबूत होगा। ये टर्मिनल अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होंगे, जो माल ढुलाई को सुगम बनाएंगे। परिवहन लागत कम होने से व्यवसायियों का लाभ बढ़ेगा और प्रदेश में अधिक निवेश आकर्षित होगा।

निर्यात क्षमता बढ़ाने विकसित होगा विशेष इन्फ्रास्ट्रक्चर

मध्यप्रदेश लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 का एक महत्वपूर्ण अंग राज्य की निर्यात क्षमता को बढ़ाना भी है। इसके लिए पॉलिसी में निर्यात पार्क विकसित किए जाने के प्रावधान शामिल किये गए हैं। इन पार्कों के विकासक को स्टांप ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क पर 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति प्राप्त होगी, साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए अधिकतम 40 करोड़ रुपए अथवा प्रति एकड़ 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता भी दी जाएगी।

निर्यातकों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर

पॉलिसी में निर्यातकों की भागीदारी को बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इसके लिए निर्यात विविधीकरण को बढ़ावा, निर्यात-उन्मुख इकाइयों की दक्षता बढ़ाना और सुदृढ़ निर्यातोन्मुख लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। पॉलिसी के उद्देश्यों में निर्यात की मात्रा बढ़ाना, ÷मेड इन मध्यप्रदेश÷ उत्पादों के निर्यात मूल्य में वृद्धि करना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में रोजगार के अवसरों का सृजन भी शामिल है।

लॉजिस्टिक्स लागत में कमी से व्यापारियों और उद्यमियों को सीधा लाभ होगा। वेयरहाउस, ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स कंपनियों में लाखों नई नौकरियाँ उपलब्ध होंगी। विदेशी और घरेलू निवेशकों को आकर्षित करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। साथ ही किसानों को उनके उत्पादों के लिए बेहतर परिवहन और भंडारण सुविधाएँ मिलेंगी।

D-19313/24

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत पर चल रहीं 2000 बैच की आईएएस अधिकारी को सरकार में महत्वपूर्ण प्रभार देने पर राज्य में विवाद

रांची। मनरेगा घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत पर बाहर चल रहीं आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को आयकर विभाग का सचिव और झारखंड कम्युनिकेशन नेटवर्क लिमिटेड का सीईओ नियुक्त किए जाने से राज्य में विवाद खड़ा हो गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कानूनी आपत्तियों के बावजूद, जिसने विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में एक आवेदन दायर कर अनुरोध किया था कि उन्हें किसी भी विभाग में नियुक्त न किया जाए, राज्य सरकार ने उन्हें महत्वपूर्ण प्रभार दे दिए। ED को इस बात की चिंता है कि यदि सिंघल को कोई आधिकारिक पद दिया गया तो वह अपने अधिकार का दुरुपयोग कर सकती हैं तथा चल रहे मामले को प्रभावित कर सकती हैं। 2000 बैच की आईएएस अधिकारी सिंघल को खूंटी में मनरेगा के करोड़ों रुपए के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। 28 महीने जेल में बिताने के बाद उन्हें 7 दिसंबर 2024 को रांची की विशेष पीएमएलए कोर्ट ने जमानत दे दी। उनकी रिहाई के बाद राज्य सरकार ने उनका निलंबन रद्द कर दिया और उसी तारीख से उन्हें बहाल कर दिया। विशेष पीएमएलए कोर्ट ने सोमवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है, अगली सुनवाई 27 फरवरी को होगी। भाजपा ने ईडी की आपत्तियों के बावजूद पूजा सिंघल की नियुक्ति पर सवाल उठाया है। वरिष्ठ भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री सी.पी. सिंह ने इस कदम की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि राज्य के खजाने को लूटने के आरोपियों को फिर से महत्वपूर्ण पद दिए जा रहे हैं। जेएमएम ने इस पर पलटवार करते हुए कहा कि सिंघल केवल आरोपी हैं, दोषी नहीं हैं और बीजेपी पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। जेएमएम प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि पीएमएलए कोर्ट की ओर से उनकी पोस्टिंग पर कोई प्रतिबंध नहीं है। पांडे ने यह भी बताया कि भाजपा के कार्यकाल के दौरान, सजल चक्रवर्ती और प्रदीप कुमार जैसे जांच का सामना कर रहे ड्वस अधिकारियों को महत्वपूर्ण भूमिका दी गई थी।

हाईकोर्ट ने पूर्व डीजीपी के खिलाफ एफआईआर रद्द की

शिलांग। मेघालय उच्च न्यायालय ने भारतीय पुलिस सेवा में 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. लज्जा राम बिश्नोई के खिलाफ एफआईआर और चार्जशीट को खारिज कर दिया है । उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि आरोपों में कानूनी योग्यता का अभाव है। यह मामला 9 मई, 2024 को निलंबित पुलिस अधिकारी गैब्रियल के. लैंगराई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर से उपजा है , जिसमें बिश्नोई पर अपने सरकारी वाहन के पंजीकरण नंबर का दुरुपयोग करने और उससे छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया गया था। एफआईआर में आईपीसी की धारा 409 (आपराधिक विश्वासघात), 467 (जालसाजी), 471 (जाली दस्तावेजों का उपयोग करना), 120बी (आपराधिक साजिश) और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 192 के तहत आरोप शामिल थे। इस फैसले के साथ ही हाईकोर्ट ने पूर्व शीर्ष पुलिस अधिकारी को राहत प्रदान करते हुए मामले को प्रभावी रूप से खारिज कर दिया है। बिश्नोई ने मई, 2022 में मेघालय डीजीपी का पदभार संभाला था।

इंदौर में 32वां अंतरराष्ट्रीय मैनेजमेंट कॉन्क्लेव 2025: दृष्टिकोण और नवाचार

इंदौर, एजेंसी। इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन ने 32वें अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन 2025 का सफल उद्घाटन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में किया, जिसमें 3,000 से अधिक उद्योग जगत के नेता, उद्यमी, नीति निर्धारक, अर्थशास्त्री और अकादमिक एवं छात्र एकत्र हुए, और व्यापार के विकास, वित्तीय उन्नति, नेतृत्व रणनीतियों और भारत की वैश्विक आकांक्षाओं पर परिवर्तनकारी चर्चाएँ कीं।इस वर्ष का थीम उद्यामेना ही सिद्धयंती (स्ट्राइव, ड्राइव और थ्राइव) था, जिसे डॉ. संदीप आत्रे ने स्पष्ट रूप से समझाया, जिसमें उन्होंने आज के गतिशील व्यापारिक वातावरण में प्रयास और उपलब्धि की महत्ता पर जोर दिया। सम्मेलन की शुरुआत एक आध्यात्मिक और शास्त्रीय छाप के साथ हुई, जिसमें सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन हुआ। आईआईएम इंदौर के निदेशक और इंदौर प्रबंधन संघ के अध्यक्ष डॉ. हिमांशु राय ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए भारत के उज्जवल भविष्य की बात की। उन्होंने भविष्यवाणी की कि भारत 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जो स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और उच्च कुशल कार्यबल द्वारा संचालित होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, जैसे कि अस्थिरता, अप्रत्याशितता, गैर-रेखीयता और अप्रत्यक्षता , लेकिन उन्होंने व्यक्तिगत और व्यावसायिक सफलता में कठिन कार्य की महत्ता पर जोर दिया। भारत 2047 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत कुशल श्रम में दुनिया का नेतृत्व करेगा। एआई और बायोटेक भारत की सुपर-एडवांस्ड स्वास्थ्य सेवा को चलाएंगे। भारत एक वैश्विक आईटी महाशक्ति बनेगा। एआई इंसानों की जगह नहीं लेगा, लेकिन जो एआई से अनजान होंगे, वे प्रतिस्थापित हो सकते हैं। हम सभी के पास कम उपभोग करने की शक्ति है। केवल मेहनत से सफलता नहीं मिलती; परिश्रम, समर्पण और धैर्य भी जरूरी हैं।

सनम तेरी कसम दोबारा रिलीज के बाद भी चार्ट्स पर सुपरहिट

मुंबई, एजेंसी। सनम तेरी कसम, जो एक पसंदीदा रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, 7 फरवरी 2025 को दोबारा सिनेमाघरों में रिलीज हुई। यह इसकी पहली बार हुई रिलीज के नौ साल पूरे होने का खास मौका था। पहली बार जब यह रिलीज़ हुई थी, तब बॉक्स ऑफिस पर कुछ ख़ास कमाल नहीं कर पाई। लेकिन समय के साथ, फिल्म को एक खास फैनबेस मिला, जहां लोग इसकी भावनात्मक कहानी और सुरीले संगीत से गहराई से जुड़ गए। फिल्म की बढ़ती लोकप्रियता के कारण, फैंस ने इसकी दोबारा रिलीज की मांग की, क्योंकि उन्हें लगा कि यह फिल्म बड़े पर्दे पर एक और मौका पाने के लायक है। सनम तेरी कसम की फिर से रिलीज ने पूरे भारत में धूम मचा दी, यह साबित करते हुए कि फैंस की ताकत किसी भी फिल्म को रातो- रात सुपरहिट करा सकती है। कई महीनों से फैंस फिल्म के मुख्य अभिनेता हर्षवर्धन राणे को मैसेज कर रहे थे और इस पसंदीदा रोमांटिक ड्रामा को दोबारा रिलीज करने की मांग कर रहे थे। जिस वजह से 23 जनवरी 2025 को राणे ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया और फैंस से कहा कि वे प्रोड्यूसर्स को टैग करें और अपनी बात जोर से रखें। इसका नतीजा जबरदस्त रहा।

काश पटेल ने भगवद गीता पर ली एफबीआई निदेशक की शपथ, ट्रम्प के माने जाते हैं नजदीकी

नई दिल्ली, एजेंसी। काश पटेल ने अमेरिका के नौवें संघीय जांच ब्यूरो निदेशक के रूप में शपथ ग्रहण की। उनकी नियुक्ति को अमेरिकी सीनेट ने मंजूरी दी थी। शपथ के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे इतिहास में सबसे बेहतरीन FBI निदेशक के रूप में याद किए जाएंगे। शुक्रवार को व्हाइट हाउस में आयोजित शपथ समारोह में अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने यह प्रक्रिया संपन्न कराई। इस मौके पर पटेल ने इसे अपने जीवन का सबसे बड़ा सम्मानबताया। गुरुवार को सीनेट ने 51-49 के मामूली बहुमत से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की, जिसमें दो रिपब्लिकन सीनेटर- मेन की सुसान कॉलिन्स और अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की ने उनके खिलाफ वोट दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, मुझे लगता है कि वे इस पद पर अब तक के सबसे शानदार निदेशक साबित होंगे। FBI एजेंट्स उन्हें बहुत पसंद करते हैं। समारोह में टेक्सास के सीनेटर टेड क्रूज और ओहियो के प्रतिनिधि जिम जॉर्डन सहित कई रिपब्लिकन सांसद मौजूद थे, जैसा कि एसोसिएटेड प्रेस ने रिपोर्ट किया। चुनौतियों के बीच FBI की कमान पटेल ने ऐसे समय में FBI की कमान संभाली है, जब हाल के हफ्तों में जस्टिस डिपार्टमेंट ने कई वरिष्ठ अधिकारियों को हटाया है और 6 जनवरी, 2021 को कैपिटल दंगों से जुड़ी जांच में शामिल हजारों एजेंटों के नाम मांगे हैं। डेमोक्रेट्स ने चिंता जताई है कि ट्रंप के करीबी सहयोगी पटेल इस पद का दुरुपयोग पूर्व राष्ट्रपति के राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए कर सकते हैं। पिछले महीने अपनी पुष्टिकरण सुनवाई में पटेल ने इन आशंकाओं को कम करने की कोशिश की और कहा कि वे संविधान का पालन करेंगे और बदले की भावना से काम नहीं करेंगे।

हालांकि, शुक्रवार को अपने भाषण में उन्होंने पत्रकारों पर झूठे, दुर्भावनापूर्ण, निंदात्मक और अपमानजनक रिपोर्ट लिखने का आरोप लगाया। FBI में बड़े बदलाव की उम्मीद कई रिपब्लिकन मानते हैं कि पटेल वही शख्स हैं जो कानून प्रवर्तन में कथित राजनीतिक पक्षपात को ठीक कर सकते हैं, खासकर राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल के दौरान। पटेल ने वाशिंगटन में FBI की मौजूदगी कम करने और खुफिया जानकारी जुटाने के बजाय पारंपरिक अपराध-नियंत्रण पर ध्यान देने की बात कही है। बॉलीवुड स्टाइल में बधाई काश्यप काश पटेल, जो ट्रंप के वफादार सहयोगी हैं, भारतीय मूल के पहले FBI निदेशक बन गए हैं। उनकी नियुक्ति को रिपब्लिकन-नियंत्रित सीनेट ने 51-49 के वोट से मंजूरी दी। राष्ट्रपति के सहायक और व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ डैन स्कैविनो ने बॉलीवुड अंदाज में पटेल को बधाई दी। स्कैविनो ने पर फिल्म बाजीराव मस्तानी के गाने मल्हारी का एक डांस क्लिप शेयर किया, जिसमें अभिनेता रणवीर सिंह का चेहरा पटेल के चेहरे से बदल दिया गया। यह गाना कुछ इस तरह है- खुशी का गाना बजाओ... दुश्मनों को कुचल दिया।

डेमोक्रेट्स का विरोध हालांकि, दो रिपब्लिकन सीनेटरों- लिसा मुर्कोव्स्की और सुसान कॉलिन्स ने सभी डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर ट्रंप के इस उम्मीदवार के खिलाफ वोट दिया। डेमोक्रेट्स में से एक ने वाशिंगटन डीसी में FBI मुख्यालय के बाहर प्रेस कॉन्फ्रेंस में चेतावनी दी कि पटेल इस इमारत में बुराई फैलाएंगे।

फिर भी, पटेल ने विरोध को पार करते हुए यह पद हासिल किया। काश पटेल का सफर 1980 में न्यूयॉर्क में गुजराती माता-पिता के घर जन्मे पटेल का बचपन पूर्वी अफ्रीका में बीता। उन्होंने लॉन्ग आइलैंड के गार्डन सिटी हाई स्कूल से पढ़ाई की। रक्षा विभाग के उनके प्रोफाइल के अनुसार, पटेल ने रिचमंड विश्वविद्यालय से स्नातक किया, फिर न्यूयॉर्क लौटकर कानून की डिग्री हासिल की और यूनाइटेड किंगडम के यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से अंतरराष्ट्रीय कानून में सर्टिफिकेट लिया। यह खबर विस्तृत, संतुलित और हिंदी भाषा में प्राकृतिक रूप से प्रस्तुत की गई है।

भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय अधिवेशन

2047 के विकसित भारत के निर्माण में कृषि व किसान की महत्वपूर्ण भूमिका होगी : सुमन बेरी

पालनपुर/अहमदाबाद। भारतीय किसान संघ के तीन दिवसीय 14वें अखिल भारतीय अधिवेशन का अहमदाबाद के पालनपुर स्थित सरदार कृषिनगर दांतीवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। अखिल भारतीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने किसान संघ के अध्यक्ष बद्रीनारायण चौधरी, संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी, महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र की उपस्थिति में हजारों की संख्या में उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुये कहा कि गौ, कृषि व किसान के विकास से ही देश की अर्थव्यवस्था समृद्ध होगी। कृषि व किसान को समृद्धशाली बनाकर ही 2047 के विकसित भारत की संकल्पना को पूर्ण करते हुये अपेक्षित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। श्री बेरी ने देश में गौ आधारित कृषि हितैशी टेक्नालाजी के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल दिया। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की आर्थिक संपन्नता में वृद्वि करने के लिये सतत प्रयासरत है। उनका मानना है कि विकसित राष्ट्र बनाने के लिये हमें विकसित समाज की आवश्यकता है। जिसके लिये कृषि व किसान के विकास पर ध्यान देना आवश्यक है। कृषि व किसान की समृद्वि से ही ग्राम समृद्व बनेगा और जब ग्राम समृद्व होगा तो देश की समृद्वि व खुशहाली बढ़ेगी। श्री बेरी ने आगे कहा कि 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये भारतीय किसान संघ जैसे राष्ट्र हित की सोच के साथ किसान हित सर्वोपरि रखने वाले किसान संगठनों के योगदान की आवश्यकता है। जिससे कृषि, किसान, गांव व देश समृद्विशाली व विकसित बन सकेगा।इससे पूर्व नीति आयोग के उपाध्यक्ष श्री बेरी ने अधिवेशन परिसर में किसान संघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष बद्री नारायण चौधरी, अखिल भारतीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी, अखिल भारतीय महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र के साथ गौ आधारित प्राकृतिक खेती पर आधारित लगी प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

फर्जी गन लाइसेंस मामले में आईएएस राजीव रंजन के 7 ठिकानों पर सीबीआई की रेड

नई दिल्ली, एजेंसी। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राजीव रंजन के खिलाफ सीबीआई ने आय के ज्ञात स्रोत से कहीं अधिक की संपत्ति अर्जित करने और भ्रष्टाचार का मामला भी दर्ज कर लिया। उनके खिलाफ फर्जी गन लाइसेंस मामला भी दर्ज है। सीबीआई ने बुधवार को गुरुग्राम, दिल्ली और श्रीनगर के सात ठिकानों की तलाशी ली। श्रीनगर सचिवालय में स्थित उनके कार्यालय की भी जांच की गई है। यह छापेमारी फर्जी गन लाइसेंस मामले में भूमिका निभाने को लेकर की गई।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने राजीव रंजन के खिलाफ चार दिन पहले 17 फरवरी को भ्रष्टाचार के मामले में एफआईआर दर्ज की है। इसके अलावा उनके खिलाफ जम्मू कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक अधिनियम के तहत भी एक मामला चल रहा है। यह दोनों मामले फर्जी गन लाइसेंस मामले में उनकी भूमिका के उजागर होने के बाद दर्ज किए गए। वे 2020 में भी गिरफ्तार किए गए थे फिर उन्हें फरवरी 2021 में बहाल कर दिया गया था।

फिलहाल वे जम्मू कश्मीर के श्रम एवं रोजगार विभाग में सचिव के पद पर पदस्थ हैं।सीबीआई ने उन्हें जब फर्जी गन लाइसेंस मामले की जांच के सिलसिले में मार्च 2020 को गिरफ्तार किया था। उस समय वे मेट्रोपॉलिटन रेग्युलेटरी अथॉरिटी के सीईओ और जम्मू विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पद पर थे। उनकी गिरफ्तारी का संज्ञान लेते हुए प्रदेश प्रशासन ने उन्हें निलंबित किया था। अदालत में जमानत मिलने के बाद फरवरी 2021 में उन्हें पुनर्बहाल किया गया। केंद्र सरकार ने नवंबर 2024 में राजीव रंजन के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी।

अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2010 बैच के आईएएस राजीव रंजन ने अपनी आय के ज्ञात स्रोत से कहीं अधिक की संपत्ति अर्जित की है। वे अपनी संपत्ति के स्रोतों का कोई संतोषजनक ब्योरा नहीं दे पाए। समझा जा रहा है कि फर्जी गन लाइसेंस जारी करने के एवज में उन्होंने बड़े पैमाने पर पैसा कमाया। श्रीनगर स्थित उनके सचिवालय से सीबीआई के अधिकारियों ने उनके लेन-देन और गन लाइसेंस मामले से संबंधित कुछ दस्तावेज अपने कब्जे में लिए।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025, एक हार का सामना कर चुकी पाकिस्तानी टीम दबाव में, रविवार को भारत से है मुकाबला

दुबई। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के महा-मुकाबले में भारत और पाकिस्तान जब रविवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आमने-सामने होंगे तो रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम की निगाह सेमीफाइनल में जगह पक्की करने पर टिकी होगी जबकि मोहम्मद रिजवान के नेतृत्व वाली टीम टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने से बचने की कोशिश करेगी। भारत ने जहां अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की वहीं पाकिस्तान को न्यूजीलैंड से 60 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था।उपमहाद्वीप की इन दोनों टीम के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में आखिरी मुकाबला 2017 में फाइनल में हुआ था जिसमें पाकिस्तान की टीम ने जीत हासिल की थी। रिजवान और उनके साथी लंदन में मिली उस जीत से प्रेरणा लेने का प्रयास करेंगे लेकिन उसके खिलाड़ियों को खेल के तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला पूर्व की तरह बहुचर्चित नहीं है जिससे उम्मीद की जा रही है कि दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप ए के इस मैच में दोनों टीम थोड़ा सहज होकर मैदान पर उतरेंगी। भारतीय टीम प्रत्येक पहलू में फायदे की स्थिति में नजर आ रही है। उसकी टीम ने यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह सामंजस्य बिठा लिया है जबकि पाकिस्तान की टीम कराची में न्यूजीलैंड के हाथों करारी हार के बाद यहां पहुंची है।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च किया टेकविदहार्ट

मुंबई। क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, जो उपभोक्ता इलेक्ट्रिकल उत्पादों की जानी-मानी कंपनी है, लगातार नए आविष्कार कर रही है। ये नए प्रोडक्ट्स बिजली की बचत करने वाले, बेहतर काम करने वाले और पर्यावरण के अनुकूल हैं, जिससे ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव मिलता है। आज कंपनी ने टेकविदहार्ट लॉन्च किया, जो दिखाता है कि वे ग्राहकों की ज़रूरतों को ध्यान में रखकर भारत में ही प्रोडक्ट्स बना रहे हैं। टेकविदहार्ट क्रॉम्पटन के उस मिशन को दिखाता है, जिसमें उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट, भरोसेमंद और बेहतर काम करने वाले समाधान बनाए जाते हैं।

धोनीवर्स और उसके भरोसेमंद राज़: धोनी के बालों की स्ट्रेटजी, जो आप बेशक जानना चाहेंगे!

मुंबई, एजेंसी। जब पावर कपल एमएस धोनी और साक्षी एक साथ आते हैं, तो आपको पता चल जाता है कि कुछ खास होने वाला है - इस बार, यह अवसर स्वाभाविक रूप से शानदार दिखने के लिए है, जिसका श्रेय गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स को जाता है! अपने नवीनतम टीज़र में, उनके बीच की चंचल नोक-झोंक ने सुर्खियां (और आपका दिल) चुरा ली। जब साक्षी धोनी को उनके अंतहीन कैंडिड इंटरव्यू को लेकर चिढ़ाती हैं, तो वह खुद को यह बताने से नहीं रोक पातीं कि कैसे किसी ने हाल ही में उनसे पूछा था कि वह 43 साल की उम्र में भी 30 साल के कैसे दिखते हैं। उनका जवाब? बालों का कलर और दाढ़ी का कलर।

भोपाल में मुंबई के कई फिल्मी कलाकार मौजूद रहे

आकाश-पिंकी शर्मा को आशीर्वाद देने पहुंचे कई फ़िल्मी हस्तियां एवं कई राजनीतिक लोग एवं समाजसेवी

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय फिल्म प्रोड्यूसर एवं निर्माता मंजू गौतम के पुत्र आकाश गौतम और पिंकी शर्मा के विवाह समारोह में मुंबई की कई फिल्मी हस्तियां शामिल हुईं। श्रीमती मंजू गौतम ने बताया की प्रमुख रूप से फिल्म अभिनेत्री पूनम ढिल्लो महाभारत के अर्जुन फिरोज खान कॉमेडियन दर्शन कुमार सुनील पाल कॉमेडियन वी आई पी सर मसूर कॉमेडियन उदय दाईया एवं मंत्री पिछड़ा वर्ग एवं क्षेत्रीय विधायक श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, पार्षद मनोज ममता विश्वकर्मा,पार्षद उर्मिला मोर्या , वरिष्ठ समाजसेवी ब्रायन त्रिपाठी, बलवंत रघुवंशी,सहित बड़ी संख्या में फिल्म मस्ती एवं जनप्रतिनिधि समाजसेवी इस कार्यक्रम में मौजूद होकर बर वधू को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर उमेश चंद्र गौतम , फिल्म प्रोड्यूसर निर्माता श्रीमती मंजू गौतम सूरज गौतम महाकालेश्वर स्टेट ने सभी का धन्यवाद दिया।

गुजरात को इस साल 30 नए आईएएस अधिकारी मिलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। गुजरात प्रशासन ने राज्य विधानसभा में बड़ी संख्या में रिक्त पदों पर चिंता व्यक्त की है। गुजरात विधानसभा सत्र के प्रश्नकाल के दौरान प्रवक्ता और मंत्री ऋषिकेश पटेल ने एक सवाल के जवाब में कहा कि राज्य में आईएएस अधिकारियों की स्वीकृत संख्या 313 है। हालांकि, इसमें से 14 अधिकारी वर्तमान में केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर हैं और 56 पद रिक्त हैं। राज्य प्रशासन के सुचारू संचालन के लिए रिक्त पदों को भरना और अधिकारियों की नियुक्ति करना बहुत जरूरी है। अगर अधिकारियों की कमी या पद रिक्त हैं तो प्रशासन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। राज्य विधानसभा ने अधिकारियों के रिक्त पदों को लेकर चिंता जताई है।उन्होंने कहा कि फरवरी-2025 के दौरान कुल 22 आईएएस अधिकारी, जिनमें पदोन्नति के माध्यम से एससीएस (राज्य सिविल सेवा) के 20 अधिकारी और चयन के माध्यम से गैर-एससीएस अधिकारियों में से 2 शामिल हैं, राज्य सरकार को उपलब्ध होंगे, साथ ही अक्टूबर-2025 तक सीधी भर्ती के माध्यम से अनुमानित 8 आईएएस अधिकारी, कुल 30 आईएएस अधिकारी होंगे। आईएएस (कैडर) नियम 1954 के अनुसार, आईएएस संरचना केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार के परामर्श से तय की जाती है। जिसकी हर पांच साल में समीक्षा की जाती है। वर्ष 2018 में की गई अंतिम समीक्षा के अनुसार, वर्तमान में आईएएस कैडर में 313 पद हैं।

'छावा' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, 7 दिन में 219 करोड़ का कलेक्शन

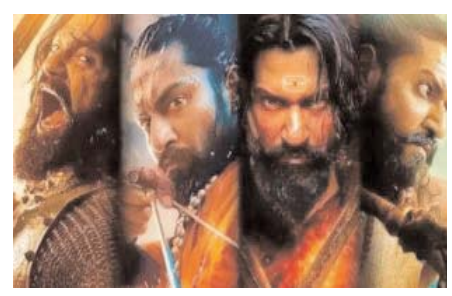

मुंबई। विक्की कौशल और अक्षय खन्ना स्टारर ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म 'छावा' बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। 14 फरवरी को रिलीज हुई यह फिल्म अपने पहले दिन ही 31 करोड़ रुपये की शानदार ओपनिंग के साथ दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही। अब रिलीज के 7वें दिन भी फिल्म का कमाई का सिलसिला जारी है और इसका कुल नेट कलेक्शन 219.75 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म का अगला लक्ष्य अब 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करना है। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, 'छावा' ने 7वें दिन यानी गुरुवार को 22 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। इस दिन सिनेमाघरों में फिल्म की औसत ऑक्यूपेंसी 27.96 प्रतिशत रही। सुबह के शो में 17.25 प्रतिशत, दोपहर के शो में 24.14 प्रतिशत और शाम के शो में 28.88 प्रतिशत दर्शकों की मौजूदगी दर्ज की गई। रात के शो में ऑक्यूपेंसी में जबरदस्त उछाल देखने को मिला और यह 41.58 प्रतिशत तक पहुंच गई।रिपोर्ट्स के अनुसार, 'छावा' 130 करोड़ रुपये के भारी-भरकम बजट में तैयार की गई है। 7 दिनों में 219.75 करोड़ रुपये की कमाई के साथ फिल्म ने न केवल अपना बजट पूरा कर लिया है, बल्कि करीब 89.75 करोड़ रुपये का मुनाफा भी हासिल कर लिया है। जिस रफ्तार से यह फिल्म आगे बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह 2025 की सबसे ज्यादा मुनाफा कमाने वाली फिल्मों में से एक बन सकती है। छावा छत्रपति शिवाजी महाराज की मृत्यु के बाद उनके पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज की वीरगाथा पर आधारित है, जिसमें मराठा साम्राज्य ने मुगल सम्राट औरंगजेब के खिलाफ अपनी मजबूत रक्षा की थी। फिल्म में विक्की कौशल ने संभाजी महाराज की मुख्य भूमिका निभाई है, जबकि रश्मिका मंदाना उनकी पत्नी के किरदार में हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने भारत का पहला 3डी-प्रिंटेड जी+1 विला पेश किया

पुणे। देश के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने पुणे के मान हिंजेवाड़ी स्थित गोदरेज ईडन एस्टेट में भारत का पहला 3डी-प्रिंटेड ज+1 विला पेश किया है। यह परियोजना ट्वास्टा इंजीनियरिंग के सहयोग से पूरी की गई है। अत्याधुनिक 3डी प्रिंटिंग तकनीक का उपयोग करते हुए, कंपनी ने डिज़ाइन, दक्षता और स्थायित्व में नए मानक स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिससे रियल एस्टेट उद्योग में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। यह विला एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग तकनीकों का उपयोग करके बनाया गया है, जो 3डी प्रिंटिंग की क्षमता को घर निर्माण में क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में दर्शाता है।

मंदिर परिसर में शराबियों की हुड़दंग से परेशान वार्डवासियों कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सांध्य प्रकाश बैतूल। गर्ग कॉलोनी रामनगर गंज मे साई मंदिर प्रांगण में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा अब वार्ड वासियों के लिए परेशानी बन गयी है। हर रात नशे में धुत मंदिर के बाहर हुड़दंग मचाते है। और ऊंची आवाज में गाने बजाकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास करते है। जिससे आसपास के लोग महिलाएं और बच्चे, काफी परेशान है। बल्कि परीक्षा की तैयारी भी प्रभावित होती है। बीती रात वार्ड जनता ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्यवाही की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि महिलाएं अपने आप को असुरक्षित महसूस करती है। बच्चो की पढ़ाई पर असर पढता हैं। वार्ड वासियों का कहा है। कि यदि प्रशासन कोई नहीं करता तो वे जल सत्याग्रह करेंगे। समिति ने साई मंदिर के आस पास पुलिस गश्त लागाने की मांग करी है

डिप्टी सीएम शुक्ला, देवड़ा ने बागेश्वर धाम पहुंचकर निरीक्षण किया

छतरपुर। प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला और जगदीश देवड़ा ने शुक्रवार को छतरपुर जिले के ग्राम गढ़ा में स्थित बागेश्वर धाम पहुंचकर बालाजी भगवान के दर्शन किए। साथ ही बागेश्वर धाम पहुंचकर बालाजी भगवान की आराधना कर दर्शन लाभ प्राप्त किया और प्रदेश के लिए मंगलकामनाएं की। उपमुख्यमंत्री शुक्ला एवं देवड़ा ने बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से भेंटकर 23 फरवरी को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कैंसर अस्पताल के भूमि पूजन कार्यक्रम की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। साथ ही 251 सामूहिक कन्या विवाह की तैयारियों के संबंध में चर्चा की। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी सहित कलेक्टर पार्थ जैसवाल, एसपी अगम जैन एवं जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचायत मंत्री पटेल ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से चर्चा की

छतरपुर। प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने शुक्रवार को छतरपुर जिले के ग्राम गढ़ा में स्थित बागेश्वर धाम पहुंचकर बालाजी भगवान के दर्शन किए। साथ ही बागेश्वर धाम पहुंचकर बालाजी भगवान की आराधना कर दर्शन लाभ प्राप्त किया। मंत्री पटेल ने बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से भेंटकर 23 फरवरी 2025 को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कैंसर अस्पताल के भूमि पूजन कार्यक्रम की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। साथ ही 251 सामूहिक कन्या विवाह की तैयारियों के संबंध में चर्चा की।

26 को निकलेगी भव्य शिव बारात

ओबेदुल्लागंज। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर 26 फरवरी को नगर में भव्य शिव बारात निकाली जाएगी एवं विशाल फलहारी भंडारा का आयोजन किया जाएगा शिव बारात शाम पांच बजे शिव मंदिर अर्जुन नगर से मुख्य मार्गो से होते हुए राम मंदिर ओबेदुल्लागंज में प्रस्थान करेगी आयोजन शिव शक्ति धर्मात सांस्कृतिक उत्सव समिति अर्जुन नगर द्वारा जोरदार तैयारी की जा रही है आपको बता दे की नगर में स्वर्गीय देवेंद्र गुप्ता ने शिव बारात की शुरुआत की थी और उनके मित्र मंडल द्वारा यह परंपरा निरंतर जारी है।

ताप्ती मेगा रिचार्ज प्रोजेक्ट का विरोध तेज, हरदा भीलट में महापंचायत संपन्न

सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता बैतूल। ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना का विरोध अब तेज हो रहा है। परियोजना से मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भारी विस्थापन होगा। जिसे लेकर हरदा भीलट (जिला अमरावती, महाराष्ट्र) में महापंचायत आयोजित की गई। इस महापंचायत में बैतूल, खंडवा और अमरावती जिलों के हजारों प्रभावित किसान, आदिवासी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। पंचायत में मौजूद लोगों ने परियोजना को अवैध करार देते हुए इसे तुरंत निरस्त करने की मांग की बैठक में धारनी के पूर्व विधायक राजकुमार पटेल कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत वागद्रे, जयस प्रदेश संयोजक जामवन्त सिंह कुमरे, स्वशासन ग्रामसभा बुद्धिजीवी हेमंत सरियाम, पूर्व विधायक प्रत्याशी राहुल चौहान, रामा ककोडिया, नीतू ककोडिया सहित 25 गांवों के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता और आदिवासी प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी ने एकमत से कहा कि ताप्ती मेगा रिचार्ज प्रोजेक्ट से हजारों परिवार बेघर हो जाएंगे। उनकी जमीन डूब क्षेत्र में आ जाएगी। और प्राकृतिक संसाधनों पर उनका अधिकार खत्म हो जाएगा।

- सरकार की मनमानी के खिलाफ आदिवासियों का आक्रोश

पूर्व विधायक राजकुमार पटेल ने कहा कि साल 2015 में जब बांध परियोजना को लेकर हलचल शुरू हुई, तब 15 से 20 गांवों के लोगों ने पंचायत चुनाव का बहिष्कार किया। आदिवासी समुदाय का विरोध इतना प्रभावी था कि महाराष्ट्र सरकार को बैकफुट पर जाना पड़ा। उन्होंने बताया कि 2014 में जल संसाधन विभाग की टीम जब 15 ट्रक और 20 ट्रैक्टर लेकर जमीन का सर्वेक्षण करने पहुंची थी। तो स्थानीय लोगों ने विरोध करते हुए मशीनों को तोड़ दिया । और अधिकारियों को भागने पर मजबूर कर दिया था।

हेमंत वागद्रे ने कहा कि इस परियोजना का सीधा फायदा राजस्थान और गुजरात को होगा जबकि मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र को इसका नुकसान उठाना पड़ेगा। लाखों एकड़ उपजाऊ जमीन डूब जाएगी, जिससे हजारों परिवारों की रोजी-रोटी प्रभावित होगी।

राहुल चौहान ने कहा कि सरकार आदिवासियों की परंपरा और संस्कृति को बचाने की बात करती है। लेकिन दूसरी ओर उनकी जमीन से बेदखल कर टाइगर रिजर्व, फैक्ट्री और बड़े-बड़े कारखानों के नाम पर विस्थापित किया जा रहा है।

जयस प्रदेश संयोजक जामवन्त सिंह कुमरे ने कहा कि महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की सरकारें इस परियोजना को लेकर तेजी से काम कर रही है। लेकिन आदिवासी समुदाय इसे किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं करेगा।

हेमंत सरियाम ने कहा कि इस परियोजना को रोकने के लिए संविधान के लचीले और कठोर प्रावधानों के तहत कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी। अगर सरकार नहीं मानी तो बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा। गौरतलब है कि 1980 में यह परियोजना प्रस्तावित की गई थी। लेकिन स्थानीय विरोध के चलते इसे लागू नहीं किया जा सका अब एक बार फिर महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की सरकारें इस परियोजना को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। जिससे प्रभावित ग्रामीण और आदिवासी समुदाय में भारी आक्रोश है।

- क्या है ताप्ती मेगा रिचार्ज परियोजना?

यह परियोजना महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में ताप्ती नदी पर बनाई जा रही है।जिसके तहत विश्व का सबसे बड़ा जल पुनर्भरण बांध बनाया जाएगा। इससे बड़े पैमाने पर जल संग्रह किया जाएगा बल्कि राजस्थान और गुजरात तक जल आपूर्ति करने की योजना है। लेकिन इस परियोजना से मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के आदिवासी इलाकों में हजारों गांव जलमग्न हो जाएंगे। जिससे विस्थापन का संकट खड़ा होगा। महापंचायत में यह निर्णय लिया गया कि इस परियोजना को किसी भी हाल में नहीं बनने दिया जाएगा। सरकार पर दबाव बनाया जाएगा कि इस परियोजना को तुरंत रद्द किया जाए।

पांच साल से सोसायटी बंद, किसान को भेजा लाखों का नोटिस

बाड़ी । मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने किसानों के उत्थान के लिए कई योजनाएं बनाई जिससे किसानों की दशा में सुधार दिखाई भी दिया केसीसी के माध्यम से किसानों को अतिरिक्त लाभ कमाने का भरपूर अवसर भी मिला। कुटनासिर के एक एकड़ के किसान को बाड़ी तहसील कार्यालय द्वारा 291917 का नोटिस जारी कर उसे 21 फरवरी को बाड़ी तहसील बुलाया। नोटिस अन्य किसानों को भी मिलते ही किसानों के चेहरे मुरझा गए और बह इकट्ठा होकर तहसील कार्यालय जवाब लेकर पहुंचे तो तहसील कार्यालय में तहसीलदार नहीं मिले । वर्ष 2018 में किसान के खाते पर करीब छब्बीस हजार का कर्ज था। इसके बाद जब कांग्रेस की कमलनाथ सरकार बनी तो उस समय कांग्रेस सरकार ने किसानों के दो लाख तक की कर्ज माफी की और इन किसान को किसी भी तरह से कर्ज चुकाने के नोटिस या तगादा नहीं किया ।

भैसाया सहकारी सोसायटी पांच साल से बंद हैं ।

कुटनासिर सहकारी सोसायटी विगत पांच वर्षों से अधिक समय से बंद हैं और किसान नकद में ही खाद, बीज, यूरिया खरीद रहे जिसके लिए किसान सुबह तीन बजे से लाइनों में लगकर खाद खरीदते हैं । ऐसे में यह कर्जा कैसे लाखों में पहुंच गया ।क्षेत्र के किसान तीन फसलें निकाल रहे और जैसे ही खेत से फसल कट जाती हैं तो किसान दूसरी फसल उगाने के लिए खेत साफ कर खाद के लिए परेशान होता है और सरकारी खाद की आपूर्ति नहीं होने से वह खुले बाजार से अधिक कीमत में असली नकली खाद खरीदने को मजबूर होता है ।

बीमा का नहीं अता-पता

7 सितंबर 2020 को किसान ने 4704 रुपये का बीमा कराया लेकिन उस बीमा राशि का क्या हुआ यह किसान को पता नहीं हैं। अतिवृष्टि या रोग लगने से फसल के खराब होने के बावजूद किसानों को बीमा योजना से भी राहत नहीं मिलती ।

वर्जन

मैंने दो साल पहले ही चार्ज लिया हैं मेरी जानकारी में नहीं हैं कि यह कर्जा कैसे इकट्ठा हो गया। मेरे द्वारा किसानों को दो वर्ष में कोई नोटिस नहीं दिया गया।

भैंसाया सोसायटी प्रबंधक
रमेश चौहान

अनुकंपा के लिए पात्र हितग्राहियों को वितरित किए नियुक्ति पत्र

नर्मदापुरम। कलेक्टर कार्यालय में शासकीय सेवा में रहते हुए दिवंगत हो चुके शासकीय सेवकों के आश्रितों को योग्यता अनुसार कलेक्टर सोनिया मीना ने अनुकंपा नियुक्ति पत्र वितरित किये। जानकारी अनुसार शासकीय एसएनजी उ.मा.वि., नर्मदापुरम की माध्यमिक शिक्षक रेशमा मसीह के शासकीय सेवा में रहते हुए निधन के उपरांत उनके आश्रित पुत्र अभिषेक मसीह को जिला राजस्व स्थापना के अंतर्गत सहायक ग्रेड-3 के रिक्त पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है। उन्हें आगामी आदेश तक सामान्य निर्वाचन शाखा, नर्मदापुरम में पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार, शासकीय माध्यमिक विद्यालय सनखेड़ा, विकासखंड केसला के भृत्य स्वर्गीय लालता प्रसाद यादव के निधन के पश्चात उनके आश्रित पुत्र हरि नारायण यादव को जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, तवा नगर, विकासखंड केसला में भृत्य के रिक्त पद पर नियुक्त किया गया है।

ग्रामीण क्षेत्र के संपूर्ण विकास के लिए विधायक ने की कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

सिरोंज। ग्रामीण क्षेत्र में आगामी वर्षों में कौन-कौन से विकास कार्य होना चाहिए जिससे ग्रामीण क्षेत्र की सूरत बदले तथा होने वाले विकास कार्यों पर भी नजर रखने गुणवत्ता के साथ काम नहीं हो रहा है तो उसकी शिकायत अधिकारियों से इसमें किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए शिकायत के बाद अधिकारी कार्रवाई नहीं करते हैं तो मुझे बताएं पर भ्रष्टाचार मुक्त विकास के काम हो इसकी भावना के साथ सभी कार्यकर्ता सक्रियता से अपनी भूमिका निर्वाह करके विकास में सहयोग करें भाजपा की समितियां का भी गठन होना है। इसमें उन्होंने सभी वर्ग के लोगों को शामिल करने के साथ पढ़े लिखे युवाओं को सम्मिलित करने पर विशेष जोर दिया। यह बात भाजपा विधायक उमाकांत शर्मा ने शुक्रवार को निजी गार्डन में देवपुर तथा चितावर मंडल भाजपा कार्यकर्ताओं की संयुक्त बैठक में कही।

उन्होंने कहा, सरपंचों से समन्वय स्थापित करके विकास का विजन डॉक्यूमेंट तैयार करके विकास के लिए मुझे लिखित में दे वहां गांव हो चाहे मजरा टोला हों हमें सबका विकास करना है। विधायक ने आगे कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन पर्व में हमनें संगठन की सदस्यता का अभियान बूथ स्तर पर आयोजित किया था। मंडल अध्यक्षों का चयन हो चुका हैं, अब हमको सभी जाति बिरादरी की सहभागिता से भाजपा संगठन को मजबूती प्रदान करने वाली मंडल कार्य समितियों का करना है। 25 वर्ष के युवा जुड़े ऐसा आव्हान प्रदेश संगठन ने किया है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शिक्षित और टेलेंट वाले युवाओं को सक्रिय राजनीति से जोड़ने का आव्हान किया है। बैठक का संचालन जितेंद्र बघेल ने किया। इस दौरान महेंद्र सिंह दांगी, कैलाश शर्मा, मंडल अध्यक्ष झार सिंह दांगी,चरण सिंह राजपूत,पूर्व जनपद अध्यक्ष संजीव माथुर,हमीर सिंह यादव सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

खरगोन शहर की जल प्रदाय योजना की समीक्षा की

खरगोन। मुख्य नगरपालिका अधिकारी निगवाल के निर्देश पर खरगोन शहर की विश्व बैंक वित्त पोषित जलावर्धन योजना की समीक्षा बैठक नगरपालिका परिषद के सभाग्रह में आयोजित की गई। बैठक में कमलाकांत जोशी, जल प्रदाय प्रभारी, पीआईयू के अनिल देवड़ा तथा जल वितरण कर्मचारी, जेएमसी कंपनी के जल वितरण कर्मचारी की उपस्थिति में बैठक का आयोजन किया गया। वर्तमान में नगरपालिका के कर्मचारियों द्वारा शहर में 20 प्रतिशत व जेएमसी के द्वारा 80 प्रतिशत जल वितरण का कार्य किया जा रहा है।

शहर के लगभग 30 स्थानों पर नगरपालिका के 16 कर्मचारियों द्वारा जल वितरण किया जा रहा है। अन्य क्षेत्रों में पानी का प्रेसर कम होने के कारण जेएमसी कंपनी के कर्मचारियों द्वारा पाइप लाइन मरम्मत का कार्य किया जा रहा है, किन्तु कार्य की गति धीमी होने से नागरिकों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कार्य की गति बढ़ाने के लिये निकाय द्वारा लिखित एवं मौखिक रूप से अवगत कराने के बावजूद भी कार्य की गति को नही बढ़ाते हुए कार्य धीमी गति से किया जा रहा है। कलेक्टर द्वारा 15 मार्च की डेड लाइन दी गई है। साथ ही आगामी माह में होली, गणगौर एवं रमजान प्रारंभ होने जा रहा है। शहर में पेजयल, वितरण सुनिश्चित किया जाए तथा व्यर्थ बह रहे पानी के लिये नल संयोजन विच्छेद की कार्यवाही की जाए। शहर में कुन्दा नदी में बहाव बंद होने के कारण 38 किलोमीटर दूर खारक डेम से पानी की व्यवस्था करनी होती है।

सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती कैंप का जनपदों में आयोजन

छतरपुर। जिला पंचायत छतरपुर के सहयोग से एसआईएस सिक्योरिटी अनूपपुर द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती कैंप का एक दिवसीय आयोजन जिले के जनपद पंचायतों के कार्यालयों में किया जा रहा है। जनपद पंचायत लवकुशनगर, नौगांव , राजनगर, छतरपुर, बड़ामलहरा , गौरिहार में बिजावर जनपद कार्यालय में प्रातः 11 बजे से शाम 4:30 बजे तक कैम्प आयोजित किया जाएगा।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हो कि मै वर्षा बांगड़े पुत्री श्री रामनाथ कनोजिया आयु 45 वर्ष की, निवास Nu- मकान नं. 60 A- सेक्टर बरखेड़ा में रहती हूं विवाह के पहले मेरो नाम वर्षा कनोजिया था,मनोज बांगड़े से विवाह के पश्चात मेरा सरनेम वर्षा बांगड हो गया था, मेरा मनोज बागडे से दिनांक 2-5-2022 को परिवार न्यायालय से विवाह विच्छेद हो गया है। मैं और मेरी पुत्री अब से विवाह - विच्छेद के बाद अपना सरनेम कनोजिया करना चाहती है। इस सूचना के माध्यम से सूचित करना चाहती हूँ मैं और मेरो पुत्री अब से माता वर्षा कनोजिया एवं पुत्री वंशिका कनोजिया के नाम से जाने जायेगे । वर्षा कनोजिया एवं पुत्री वंशिका कनोजिमा के शैक्षणिक व अन्य दस्तावेजो में अब सरनेम वर्षा कनोजिया एवं वंशिका कनोजिया के नाम से इन्द्राज किया गया है।

पता- वर्षा कनोजिया, मकान नं. Nu-60 A-
सेक्टर बरखेड़ा बीएचईएल
मो.नं. 7805017947

स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए नपा कार्यालय में लगाया आर्टिफिशियल फ्लावर स्पॉट

आष्टा। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के तहत नगरपालिका द्वारा स्वच्छता के प्रति नगरवासियों को जागरूक करने के उद्देश्य से शासकीय भवनों एवं बाउंड्रीवालों पर पेंटिंग कार्य करवाया गया, वहीं स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए नगरपालिका कार्यालय में आर्टिफिशियल पौधों का दीवार पर स्पॉट बनाया गया, जिसका नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेश सक्सेना, नपाउपाध्यक्ष प्रतिनिधि भूरू खां, पार्षद डॉ. सलीम खान, सुभाष नामदेव द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नपाध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा ने कहा कि विभाग द्वारा स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न आयोजनों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक तो किया जाता है, किंतु आवश्यकता है कि नागरिक जागरूक होकर स्वच्छता कार्य को अपनी दिनचर्या में उतारे। जब तक नागरिक इसके प्रति सजग नही होंगे, तब तक स्वच्छता सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण नही होगा। सीएमओ राजेश सक्सेना ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के तहत नगरपालिका द्वारा विभिन्न गतिविधियों में नवाचार करते हुए नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का कार्य निरंतर जारी है। आप अपने घर व प्रतिष्ठान से निकलने वाला सूखा एवं गीला कचरा पृथक-पृथक कर नगरपालिका के कचरा संग्रहण वाहन में डाले, ताकि कचरा इधर-उधर नही फिले जिससे नगर, घर एवं प्रतिष्ठान साफ-सुंदर नजर आ सकें।

बड़लिया लसूड़िया में पकड़ाया तेंदुआ, सुरक्षित जंगल में छोड़ा

सीहोर। क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़लिया लसूडिया के जंगलों में विगत कई दिनों से ग्रामीणों को एक तेंदुआ नजर आ रहा था, जिससे ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल था । आष्ठा के ग्रामीणों के लिए राहत की बात है कि कई दिनों से नजर आ रहा तेंदुआ आखिरकार वन विभाग द्वारा लगाए गए पिंजरे में आ गया। तेंदुआ आष्ठा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बड़लिया लसूडिया के जंगलों में देखा गया था, जिसके कारण ग्रामीणों में भय का माहौल था। ग्रामीणों की शिकायत के बाद वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया था। तेंदुए के पिंजरे में आने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। रेंजर राजेश चौहान ने बताया की लगाये पिंजरे में उक्त तेंदुआ कल शाम को आ गया था ।

एनपीएस बाय प्रोटीयन ऐप में बड़ा सुधार

मुंबई। प्रोटीयन ईगव टेक्नोलॉजिस लिमिटेड, (पूर्व में -एनएसडीएल ई-गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर) नेशनल पेंशन स्कीम और अटल पेंशन योजना के खातों को संचालित करने वाली सबसे बड़ी सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) ने अपने पेंशन मैनेजमेंट ऐप - 'एनपीएस बाय प्रोटीयन' को एक नया स्वरूप देते हुए इसमें कई नई विशेषताएं जोड़ी हैं, खास तौर पर आज की डिजिटली जागरूक नयी पीढ़ी के लिए जिसमें कई नए फीचर भी हैं। चाहे आप पहले से एनपीएस से जुड़े हैं या अपना रिटायरमेंट प्लानिंग का सफ़र एनपीएस के साथ अभी शुरू कर रहे हों, यह नया ऐप आपको एक स्थान पर सभी समाधान देगा। दोनों एंड्राइड और आईओएस ग्राहकों के लिए उपलब्ध उए नया आप बेहद यूजर फ्रेंडली इंटरफेस देने के साथ ही इंट्युइटिव नेविगेशन और बेहतर सुरक्षा फीचर्स देगा।

न्यायालय नायब तहसीलदार, वृत्त-1 तहसील-हुजूर, जिला भोपाल

प्रकरण कांक-6705/अ-6/सन-2024-25
मौजा लाम्बावेडा तहसील हुजूर, गोपाल

उद्घोषणा पत्र

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। आवेदक श्री संतोष कुमार सोनी पुत्र श्री छोटेलाल जी निवासी-एल.आई.जी.-14/16 विश्वकर्मा नगर हाउसिंग बोर्ड कालोनी वैरसिया भोपाल (म. प्र) ने म.प्र.भू-रा.संहिता की धारा 109, 110 के तहत आवेदन प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड विकय पत्र के आधार पर क्रय की गई भूमि स्थित ग्राम लाम्बाखेड़ा तहसील हुजूर स्थित भूमि खसरा क्र-90/4, 92, 93/1/2, 99/1/1, 101, 103, 106 रकबा 800 वर्गफिट भूमि का नामान्तरण राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम पर किए जाने का अनुरोध किया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 12.03.2025 को या इस से पूर्व इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है। समया वधि पश्चात् प्रस्तुत किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

उक्त उद्घोषणा पत्र मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक को 21.02.2025 जारी किया गया।

तहसीलदार
तहसीलदार -हुजूर, भोपाल

मोदी के आगमन से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता की गारंटी

सरयूसुत मिश्रा

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट हर राज्य में होती है लेकिन जिस राज्य में इसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी करते हैं, उस राज्य की जीआईएस की सफलता की गारंटी होती है. जिस जीआईएस में पीएम मोदी हो उसमें देश का कौन सा इन्वेस्टर नहीं पहुंचना चाहेगा? सीएम डॉक्टर मोहन यादव को इन्वेस्टर्स समिट के लिए पीएम का समय मिल जाना ही, उनकी बड़ी सफलता मानी जाएगी. एमपी में पहले भी जीआईएस होती रही है. एक दो में पीएम भी शामिल हुए हैं लेकिन कई समिट में पीएम का आना नही हुआ.

एमपी में इन्वेस्टमेंट के लिए रीजनल समिट करने के बाद देश के कई हिस्सों में सीएम मोहन यादव ने रोड शो एवं इन्वेस्टर्स से चर्चा की. विदेश यात्राएं भी की. उनकी सारी तैयारी और भूमिका का अंतिम लक्ष्य ग्लोवल इन्वेस्टर्स समिट में पूरा हो सकता है. राजनीतिक रूप से तो पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आगमन के साथ ही मुख्यमंत्री का अपना पॉलिटिकल टारगेट सफल हो गया है.

पीएम नरेंद्र मोदी समिट के एक दिन पूर्व राजधानी भोपाल पहुंचगे. यह पहला अवसर है जब पीएम, बीजेपी के विधायकों और सांसदों के साथ सीधा संवाद करने वाले हैं. पीएम का संवाद कई मायने रखता है. पीएम की कार्यशैली ऐसी है कि, उनके हर कदम के मायने परिणाम के बाद ही स्पष्ट होते हैं. उनकी वर्किंग और शैली को समझने में पॉलिटिकल पंडित भी चूक जाते हैं.

इसमें कोई दो राय नहीं है कि, एमपी में इन्वेस्टमेंट की अनंत संभावनाएं हैं. यह संभावनाएं ही बताती है कि, अभी तक इनका दोहन नहीं किया गया है. हर जीआईएस में पंच लाइन बदल दी जाती है. अभी तक फ्यूचर रेडी स्टेट कहा जा रहा था और अब अनंत संभावनाओं का प्रदेश कहा जा रहा है.

जीआईएस की तैयारी में प्रशासन का अतिउत्साह भी देखा जा रहा है. राजधानी को सजाया संवारा जा रहा है, भिखारियों को भगाया जा रहा है, सड़कों को साफ सुथरा किया जा रहा है. जहां कचरा दिख सकता है वहां नेट भी लगाया जा रहे हैं.सड़कों के किनारे चित्रकारी भी हो रही है. होर्डिंग्स पर तो जीआईएस के ही पोस्टर दिखाई पड़ते हैं. होर्डिंग पर अनंत संभावनाएं दिखाना जितना आसान है, जमीन पर इन्वेस्टमेंट उतना ही कठिन है.

जीआईएस से शुरू इन्वेस्टमेंट के प्रस्ताव जमीन पर उतरने के लिए ब्यूरोक्रेटिक कमिटमेंट सबसे ज्यादा जरूरी है. पॉलिटिकल गवर्नमेंट पॉलिसी बनाती है. असल इंप्लीमेंट तो ब्यूरोक्रेसी के ही हाथ में होता है. एमपी में इन्वेस्टमेंट का इतिहास तो बहुत सुखद नहीं रहा है. जीआईएस तो हर साल होती है लेकिन उनके नतीजे जमीन पर दिखाई नहीं पड़ते हैं.

इन्वेस्टमेंट की सबसे बुनियादी बात इन्वेस्टर के लिए शासन, प्रशासन से सुविधा और धंधे में लाभ की गारंटी ही होती है. सस्ती बिजली, पानी, ट्रांसपोर्टेशन, लेबर जिन राज्यों में होता है वहां इन्वेस्टमेंट के लिए समिट की आवश्यकता ही नहीं होती. महाराष्ट्र, गुजरात इन्वेस्टमेंट में ट्रेडिशनल रूप से काफी आगे रहे हैं और आज भी वहां इन्वेस्टमेंट 365 दिन 24*7 का विषय होता है.

समिट में भाग लेने वाले इन्वेस्टर कमोवेश वही होते हैं, जो सभी राज्यों में पहुंचते हैं. टाटा, बिरला, अंबानी, अडानी देश के औद्योगिक विकास के चेहरे हैं. जिस जीआईएस में इनकी भागीदारी होती है, वह प्रथम दृष्टि में सफल मान ली जाती है. इन्वेस्टमेंट प्रस्ताव के आंकड़े तो हमेशा से बहुत आकर्षक होते हैं. इनका आंकलन तो तब होता है जब जमीन पर पहुंचते पहुंचते यह प्रस्ताव अपनी मौत मर जाते हैं.

जब भी जीआईएस करीब आती है तब सरकारें नई-नई नीति लाती हैं. MSME के लिए पॉलिसी आती है और स्टार्टअप की भी. मध्य प्रदेश सरकार ने भी नई पॉलिसी घोषित की है. पॉलिसी के मामले में मध्य प्रदेश किसी भी राज्य से पीछे नहीं हो सकता. जमीन पर इन्वेस्टमेंट के मामले में जरूर मध्य प्रदेश को अभी बहुत आगे जाना है.

समिट के लिए शहर को सजाने संवारने से ज्यादा अगर शासन-प्रशासन इस बात को साबित करें कि, मध्य प्रदेश में तुलनात्मक रूप से इन्वेस्टर्स के लिए पानी, बिजली, ट्रांसपोर्टेशन, लेबर सस्ता है, उद्योगों में कास्टिंग कम आएगी. जो भी इन्वेस्ट करना चाहता है, उसे स्वागत से नहीं, लागत की कमी से प्रभावित किया जा सकता है.

मध्यप्रदेश देश के केंद्र में है. जमीन तो यहां पर्याप्त मात्रा में है लेकिन फिर भी अभी तक प्रदेश का औद्योगीकरण वांछित स्तर तक नहीं हो पाया तो इसके पीछे कोई बुनियादी ऐतिहासिक कारण ही होंगे. जब तक इन कारणों को दूर नहीं किया जाएगा, तब तक जीआईएस के सफल आयोजन से भी ज़मीनी हकीकत नहीं बदली जा सकेगी.

मध्य प्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की शुरुआत दिग्विजय सिंह के कार्यकाल से हुई है. पहली समिट खजुराहो में आयोजित की गई थी. उसके बाद तो शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में कोई साल नहीं था जबकि त्ढूस नहीं आयोजित की गई हो. हर साल कई लाख करोड़ के इन्वेस्टमेंट के प्रस्ताव भी प्रचारित किए जाते रहे हैं लेकिन जमीन पर वास्तविकता अगर बदली होती तो आज फिर सरकार को यह कहने की आवश्यकता नहीं पड़ती कि, एमपी अनंत सम्भवानाओं का प्रदेश है.

अब तक सारी संभावनाओं का दोहन हो जाना चाहिए था. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट के लिए कमिटमेंट दिखाई तो पड़ रहा है लेकिन पॉलिसी के लेवल पर बेहतर प्रयास भी तब तक सफल नहीं होंगे जब तक ब्यूरोक्रेटिक कमिटमेंट सुनिश्चित नहीं किया जा सकेगा. अगर इन्वेस्टमेंट चाहिए तो फिर ब्यूरोक्रेटिक कमिटमेंट सुधारना ही पड़ेगा. मध्य प्रदेश के लिए यही सबसे सही समय है, जब देश के प्रधानमंत्री का प्रदेश के विकास के लिए कमिटमेंट जग जाहिर है. 'मोदी के मन में एमपी और एमपी के मन में मोदी', भाजपा की नई सरकार के गठन का आधार रहा है. भिखारी भगाने से अगर इन्वेस्टमेंट सुनिश्चित हो सकता है तो किसी राज्य में भिखारी नहीं होते. भविष्य और संभावनाओं में जीते हुए तो मनुष्य अपना वर्तमान गँवा देता है. जीना वर्तमान में पड़ेगा. ब्रांडिंग संभावनाओं की नहीं, वर्तमान सुविधाओं की करना होगी.

सीएम डॉ. मोहन यादव द्वारा बेस्ट फॉर जीआईएस की डिजिटल ई-बुक का लोकार्पण किया गया। खेल, युवा एवं सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग और एमएसएमई मंत्री चैतन्य कश्यप, पीएस एमएसएमई राघवेंद्र सिंह जी। एमएसएमई के साथ चर्चा के दौरान सीएम हाउस में दिव्या अत्री जी, अजय देवनानी जी, विजय गौर जी और डॉ. स्मृति राशि मौजूद रहीं।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आने वाले मेहमानो की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के दौरान वॉटर स्पोर्टस के प्रदर्शन से आकर्षण का केंद्र बनेगा बड़ा तालाब

भोपाल। ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के दौरान भोपाल का बड़ा तालाब वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों के चलते विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को बोट क्लब पर तैयारियों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्री सारंग ने बताया कि 23, 24 व 25 फरवरी को खेल एवं युवा कल्याण विभाग की वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी विभिन्न रोमांचक वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों का प्रदर्शन करेंगे, जो देश-विदेश से आए डेलिगेट्स को आकर्षित करेगा।

सैलिंग, कयाकिंग, कैनोइंग, रोइंग और कैनो सलालम वॉटर स्पोर्टस से होगा डेलिगेट्स का भव्य स्वागत : मंत्री श्री सारंग ने जानकारी दी कि समिट के दौरान वीआईपी रोड की ओर से बड़े तालाब में सैलिंग बोट पर लगे भव्य बैनर के माध्यम से डेलिगेट्स का स्वागत करेगा। इस अनूठे आयोजन को वीआईपी ब्रिज से ही डेलिगेट्स देख सकेंगे। इस दौरान सैलिंग, कयाकिंग, कैनोइंग, रोइंग और कैनो सलालम जैसे वॉटर स्पोर्ट्स प्रदर्शन मुख्य आकर्षण होंगे। इसके साथ ही बोट कल्ब पर विशेष साज-सज्जा भी की जायेगी।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए सजी राजधानी

जीआईएस में दिखेगी मप्र की सांस्कृतिक विरासत की झलक

भोपाल। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में निवेशकों, उद्योगपतियों और अतिथियों को प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत और समृद्ध संस्कृति का अनुभव कराने के लिए विशेष रूप से संयोजित अमृतस्य मध्यप्रदेश नृत्य नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत विविधता और पर्यटन स्थलो की खूबसूरती को प्रसिध्द कोरियोग्राफर मैत्री पहाड़ी के निर्देशन में 100 से अधिक कलाकार अनूठे रूप में दर्शित करेगें। इसके साथ ही आयोजन स्थल इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में प्रदेश के पारंपरिक और स्थानीय लोकनृत्य, मटकी नृत्य, करमा जनजातीय नृत्य आदि की प्रस्तुति एक विशेष आकर्षण होगी। जीआईएस के दौरान अतिथियों को मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन स्थलों की संगीतमयी अनुभूति करायी जाएगी। उनके मध्यप्रदेश आने के अनुभव को अविस्मरणीय बनाने के लिए कई मनमोहक कार्यक्रम अनूठे अंदाज में प्रस्तुत किए जाएगें। यह प्रयास प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने और निवेशकों को आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आयोजन में 23 फरवरी को ताज लेक फ्रंट होटल में शाम 6:30 बजे से बांसुरी, सरोद, सारंगी और जुगलबंदी जैसी संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। समिट के पहले दिन 24 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय में सुबह 8 बजे से स्थानीय संस्कृति को प्रदर्शित करते लोक कला दलों की प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

इसी दिन ओडीओपी मंच और मध्यप्रदेश पेवेलियन में प्रदेश की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिलेगी, जिसमें गोंड और भील जनजातियों की लोक संस्कृति एवं बुंदेलखंड व चंबल अंचल की विरासत का प्रदर्शन भी किया जाएगा। शाम को गाला डिनर के दौरान लोकाँचल नृत्य बधाई, मटकी, जनजातीय नृत्य करमा के साथ विशेष अमृत्य मध्यप्रदेश नृत्य नाटिका का प्रदर्शन किया जाएगा। आयोजन स्थल पर विभिन्न मंचों पर लोकगीत, जनजातीय संगीत और पारंपरिक लोक नृत्य का मंचन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये अतिथि निवेशकों को प्रदेश की ऐतिहासिक विरासत परंपरा और उससे हमारा जुड़ाव को नजदीक से अनूठे अंदाज में देखने को मिलेगा।

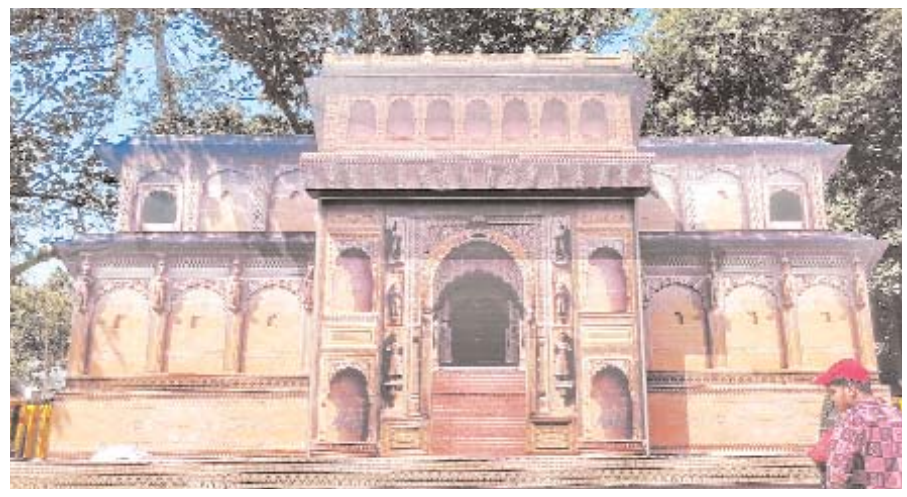

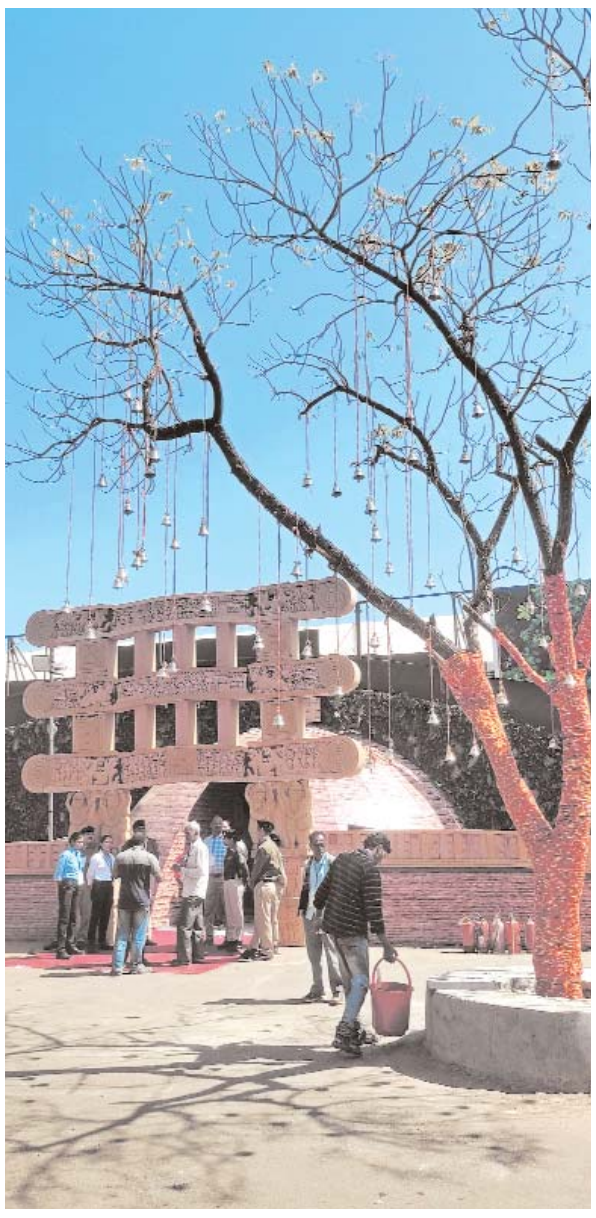

प्रदेश के कई जिलों के तापमान में आई गिरावट

भोपाल निप्र। मध्य प्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। जहां लगातार तापमान बढ़ रहा था वही अचानक से कई जिलों में तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट देखी गई है। मौसम विभाग ने रात के तापमान में भी 2 से 3 डिग्री की गिरावट होने की संभावना जताई है।

शनिवार यानि आज भोपाल-ग्वालियर में बादल छा सकते हैं, जबकि इंदौर, उज्जैन में आसमान साफ रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, फरवरी के आखिरी दिनों में मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रहेगा। वर्तमान में दक्षिण पाकिस्तान और राजस्थान के ऊपर एक साइक्लोनिक

सकुर्लेशन सिस्टम है। वहीं, उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में भी मौसम बदला है। शुक्रवार से दिन के पारे में गिरावट का दौर शुरू हो गया। प्रदेश में शुक्रवार को पारे में उतार देखने को मिला। कई शहरों में दिन का तापमान 30 डिग्री से नीचे रहा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, धार, गुना, नर्मदापुरम, खंडवा, खरगोन, रायसेन, रतलाम, खजुराहो, नरसिंहपुर, उमरिया में पारे में गिरावट दर्ज की गई। वहीं, गुरुवार-शुक्रवार की रात में भी पारे में हल्की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, 24 फरवरी को उत्तर-पश्चिम भारत में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। जिसका असर प्रदेश में देखने को मिल सकता है।